R. K. Advertising
के माध्यम से 'जैन गजट' में विज्ञापन बुक कराने हेतु सम्पर्क करें-
शेखर चन्द पाटनी
राष्ट्रीय संवाददाता-जैन गजट
मो. 9667168267
रोहित कुमार पाटनी, डायरेक्टर (आर. के. एडवरटाइजिंग)
मो. 8003892803
ईमेल
rkpatni77@gmail.com

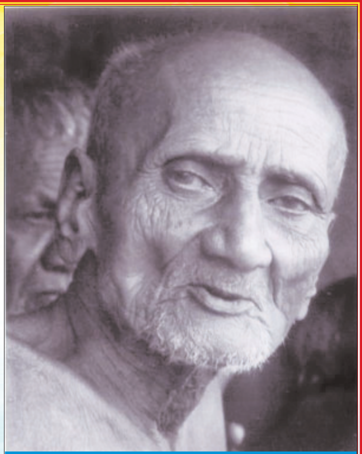
बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती परम पूज्य आचार्य श्री शांति सागर जी

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 31 अंक 30 कुल पृष्ठ 12 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 26 मई 2025, वीर नि. संवत् 2551

Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

।। श्री शांति-वीर-शिव-धर्म-अजित-वर्धमान-परम्पराचार्येभ्यो नमः ।।

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य 108 श्री शांतिसागर जी महाराज

प्रथम पट्टाचार्य चारित्र चूड़ामणि आचार्य 108 श्री वीरसागर जी महाराज

द्वितीय पट्टाचार्य सिद्धांत संरक्षक आचार्य 108 श्री शिवसागर जी महाराज

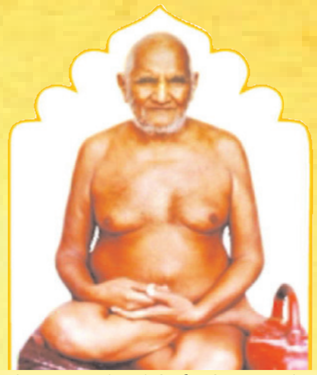
तृतीय पट्टाचार्य धर्म शिरोमणि आचार्य 108 श्री धर्मसागर जी महाराज

चतुर्थ पट्टाचार्य अभिक्षण ज्ञानपयोगी आचार्य 108 श्री अजितसागर जी महाराज

श्री श्री १०८ आचार्य श्री शांतिसागरजी मुनि महाराज व संघ । पास में बैठे हुए : मुनिश्री वीरसागरजी (नांदगाँव) व मुनिश्री नेमिसागरजी (पुतूरकर मद्रास) । नीचे बैठे हुए : ब्र. ठाकोरदासजी, ऐलक पायसागरजी (गोकाक), ऐलक चंद्रसागरजी (नांदगाँव), मुनिश्री नेमिसागरजी (कुंडवीकर), ऐलक, पायसागरजी (एनापुर), मुनिश्री आदिसागरजी (अंकलीकर)। पास में खडे हुए : ब्र. दादा घोदे व ब्र. जिनदासजी

नोट - यह फोटो २२-१०-१९२५ कुंभोज का है जो दि. जैन सूरत अंक में वी. स. २४५३ में, १९३७ शांतिसिंधु में, जैन बोधक १९५१ में, जैन गजट हीरक जयन्ती विशेषांक १९५२ में, तथा फलटन (महा.) में मूल फोटो उपलब्ध है ।

वात्सल्य वारिधि, जिनधर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव, पंचम पट्टाचार्य
108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज

सन् 1925 के कुंभोज चातुर्मास में प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती श्री शान्तिसागर जी महाराज के श्री चरणों में साधनारत

मुनिश्री आदिसागर महाराज (अंकलीकर)

पुण्यार्जक/नमनकर्ता

कुमुद चंद- उर्मिला, सुदीप- नम्रता, राजवर्धन जैन सोनी, अजमेर (राजस्थान)

16 भाषाओं के ज्ञाता, 30000 से अधिक संस्कृत/प्राकृत श्लोक रचियता : मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी

जयपुर में वर्ष 2025 का चातुर्मास प्रस्तावित

पदम जैन बिलाला

ज्योतिनगर, जयपुर। अपनी विद्वत्ता और तप के लिए पहचाने जाने वाले मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी महाराज एक प्रख्यात दिगम्बर जैन संत हैं। मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी महाराज संस्कृत, प्राकृत सहित विभिन्न आधुनिक भाषाओं हिन्दी, मराठी और कन्नड़ सहित 16 भाषाओं का ज्ञान रखते हैं। उन्होंने लगभग 30,000 श्लोक प्रमाण संस्कृत, प्राकृत में रचना कर चुके हैं। उनके कार्य में आदि कित्तन्नं, जिन शासन सहस्रनाम हित मणिमाला शामिल हैं। उन्होंने 170 से अधिक कृतियों की रचना की है। मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी महाराज कई धार्मिक कार्यों में प्रेरणास्रोत रहे हैं। अभी हाल ही में इंदौर में आयोजित ऐतिहासिक पट्टाचार्य प्रतिष्ठा महोत्सव में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका से कोई अनभिज्ञ नहीं है। यह सब इनके गुरु के प्रति श्रद्धा व चरम वात्सल्य का परिचायक है।

जैन ग्रंथों को ताड़ पत्र पर लिखवाना – दिगंबर जैन मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज चातुर्मासिक प्रवचन से धर्म और संस्कारों की सीख देने के साथ-साथ जैन ग्रंथों को ताड़ पत्र पर लिखवाकर उनको आने वाली पीढ़ी के लिए सहजने का भी काम कर रहे हैं। उनका मानना है कि सामान्य कागज और स्याही अधिकतम 100 से 200 साल में खराब हो जाते हैं लेकिन ताड़ पत्र लिखा हुआ हजारों सालों तक खराब नहीं होता इसलिए ये ग्रंथ ताड़ पत्र पर लिखे जा रहे हैं ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए हजारों-हजारों साल तक ग्रंथ सुरक्षित रह सके क्योंकि ग्रंथ हमेशा मार्गदर्शक होते हैं। मुनि श्री ने बताया कि ताड़ पत्र दक्षिण भारत के साथ ही श्रीलंका में बहुतायत में मिलते हैं। इन पत्तों पर लंबी-लंबी लाइनें होती हैं। इस कारण इन पर अक्षरों को लिपिबद्ध कर सकते हैं। ताड़ पत्र पर मशीन के साथ-साथ हाथ से भी लिखा जाता है। अब तक कई ग्रंथ प्रिंट करवा चुके हैं। इनको पूरे देश में अलग-अलग जगह रखवा रहे हैं ताकि कोई भी व्यक्ति जब भी चाहे इनको देख और पढ़ सकते हैं। भीलवाड़ा, इंदौर, कोटा के चातुर्मास के दौरान उन्होंने कई ग्रंथों का प्रकाशन किया।

एक ग्रंथ करीब 200 सीट पर लिखा गया। एक सीट करीब 2 किलो की है। पूरे ग्रंथ का वजन करीब 400 किलो है। कई ग्रंथों की अभी प्रींटिंग चल रही है।

25 वर्ष की उम्र में मुनि दीक्षा – इनका जन्म 24 मई 1986 को मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर में हुआ था। उन्होंने गृहस्थ जीवन में बाल बह्मचारी सन्मति भैया के रूप में एमबीए की पढ़ाई - गोल्ड मेडल के साथ करने के बाद ब्रह्मचर्य व्रत अंगीकार कर सांसारिक सुखों को त्याग दिया। आदित्य सागर जी महाराज जी को 08 नवम्बर 2011 में सागर में 25 वर्ष की आयु में आचार्य विशुद्ध सागर जी ने दीक्षा दी जो आचार्य विराग सागर जी के पट्टाचार्य हैं।

संस्कार, धर्म और अध्यात्म जरूरी – मुनिश्री बताते हैं कि जैनत्व सबसे प्राचीन है। इस आधुनिक युग में डिग्री जरूरी है लेकिन केवल डिग्रियों से कोई काम नहीं कर सकता। प्राचीनता में ही आनंद है। वर्तमान पीढ़ी पैसे की तरफ भाग रही है। पैसा कुछ हो सकता है लेकिन सब कुछ नहीं है। वर्तमान पीढ़ी पैसे के साथ-साथ संस्कार, धर्म और आध्यात्मिकता की ओर आती है तो उनका जीवन सार्थक हो सकेगा। इनका वात्सल्य पूर्ण व्यवहार जन जन को अपनी और खींच लेता है।

जयपुर का सौभाग्य – यह गुलाबी नगरी जयपुर का सौभाग्य है कि मुनि श्री का संघ (चार पिच्छी) सहित वर्ष 2025 का चातुर्मास जयपुर की हृदय स्थली टोंक रोड स्थित कीर्ति नगर मंदिर जी में होना संभावित है। जहाँ से मधुबन, जनकपुरी, बरकतनगर, महेश नगर, बापूनगर, महावीर नगर आदि स्थानों का सीधा संबंध है। कीर्ति नगर के अध्यक्ष जगदीश जैन से प्राप्त जानकारी अनुसार संघ का 5 जून को कोटा से विहार होकर 22 जून को कीर्ति नगर में भव्य मंगल प्रवेश प्रस्तावित है। सादर चरण वंदन।

विश्व संग्रहालय दिवस पर रायपुर में संग्रहालय अवलोकन एवं जैन पुरा संपदा संरक्षण पर चर्चा

कैलाश रारा, रायपुर

रायपुर, दिनांक 18 मई 2025। श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा एवं निर्ग्रन्थ सेंटर आफ आर्कियोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में रायपुर में श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कैलाश रारा जी एवं तीर्थ संरक्षिणी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ज्ञानचंद जी पाटनी ने राजधानी के महंत घासीदास संग्रहालय की जैन पुरा संपदा का अवलोकन किया, साथ में थे संग्रहालय के क्यूरेटर प्रभात कुमार सिंह, संस्कृति विभाग के उपनिदेशक डॉक्टर प्रताप पारख एवं आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के असिस्टेंट आर्कियोलॉजिस्ट डॉक्टर हेग्रीव परिहार। इस अवसर पर महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों के संग आरंग से प्राप्त जैन प्रतिमा एवं प्रदेश की जैन पुरा संपदा के संरक्षण पर विस्तृत चर्चा की। पश्चात नया रायपुर के मुक्तांगन एवं छत्तीसगढ़ ट्राईबल म्यूजियम का अवलोकन किया तथा वहां पर आयोजित समारोह में भाग लिया। समारोह को मुख्य रूप से आईकॉम की बोर्ड मेंबर रीना दीवान, कोलकाता एवं इंदिरा गांधी ट्राइबल यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमित सोनी अमरकंटक के द्वारा संबोधित किया गया। इस अवसर पर महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल के डॉ. लोकेश कावड़िया एवं उनकी टीम के द्वारा संग्रहालय कर्मियों को सम्मानित किया गया।

पाटनी दंपति का समाज द्वारा भव्य स्वागत

श्री दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ़ द्वारा संचालित श्री दिगम्बर जैन वात्सल्य भोजनशाला के परम शिरोमणि संरक्षक, श्री दिगम्बर जैन आयुर्वेदिक औषधालय के भूतल के निर्माता श्रीमान विजय कुमार जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा देवी पाटनी तिनसुकिया प्रवासी ने सुजानगढ़ आगमन पर समाज द्वारा संचालित संस्थाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर पाटनी दंपति का समाज द्वारा भव्य स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में समाज के संरक्षक श्री खेमचंद जी बगड़ा, मंत्री श्री पारसमल जी बगड़ा, श्री महेश कुमार जी बगड़ा ईटानगर, श्री निरंजन कुमार बगड़ा, श्री सुरेंद्र कुमार बगड़ा डिबरूगढ़, भोजनशाला व्यवस्थापक विनीत कुमार बगड़ा व श्रीमती प्रेमलता देवी बगड़ा मौजूद रहे।

भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा एवं निर्ग्रंथ सेंटर ऑफआर्कियोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में भव्य आयोजन

धरोहरों का गौरवशाली उत्सव

विश्व संग्रहालय दिवस पर इंदौर संग्रहालय में जैन संस्कृति की झलक

इंदौर, 18 मई। संस्कृति की आत्मा होती है उसकी धरोहरें और उन धरोहरों की रक्षा ही भविष्य को दिशा देती है। इसी भावना को साकार करते हुए विश्व संग्रहालय दिवस पर भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा एवं निर्ग्रंथ सेंटर ऑफआर्कियोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परम पूज्य आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य एवं उनके संघ की गरिमामयी उपस्थिति में इंदौर के केंद्र संग्रहालय का विशेष अवलोकन किया गया। मुनिश्री व संघ ने संग्रहालय में रखी प्राचीन जैन मूर्तियों, ताम्रपत्रों, शिलालेखों एवं ऐतिहासिक धरोहरों का गहन निरीक्षण करते हुए उनकी ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्ता को रेखांकित किया। यह आयोजन न केवल दर्शन का अवसर था, बल्कि समाज को यह संदेश देने का माध्यम भी कि हमारी सांस्कृतिक विरासत केवल संग्रहालयों में संजोने की वस्तु नहीं, बल्कि आत्म-चिंतन और प्रेरणा का स्रोत है। इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने महासभा के विशिष्ट पदाधिकारीगण: टी. के. वेद-राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, देवेंद्र सेठी-प्रदेश अध्यक्ष, कैलाश लुहाड़िया-प्रदेश महामंत्री, राकेश पाटनी-प्रदेश कोषाध्यक्ष आदि। इन वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी संग्रहालय के संरक्षण एवं विकास को लेकर महत्वपूर्ण विचार साझा किए और युवाओं से इस विरासत को संभालने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अनेक विद्वानों, इतिहासकारों, समाजसेवियों एवं जैन श्रद्धालुओं की उपस्थिति भी रही।

समाज से विनम्र निवेदन

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा द्वारा की जा रही धार्मिक एवं सामाजिक कल्याण की योजनाओं में दान देकर सहयोग प्रदान कीजिये। संस्था को 12 I/80G (प्रमाण पत्र संख्या URN-AAHTS7154EF2025101) एवं CSR-1 (प्रमाण पत्र संख्या -SRN-N30616809) के तहत आयकर में छूट प्राप्त है। संपर्क : मोबाइल/वाट्सअप - 9415008344, 9415108233, 7607921391, 7505102419

SHRI BHARATVARSHIYA DIGAMBER JAIN MAHASABHA
ACCOUNT NO. - 2405000100033312
RTGS/IFSC/NEFT Code - PUNB0185600 PUNJAB NATIONAL BANK, RAJENDRA NAGAR, Lucknow
Pin Code - 226004 (U.P.)

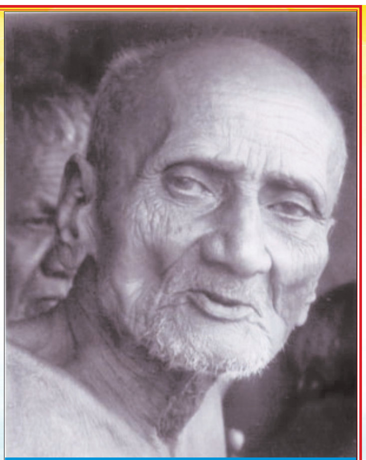

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य
चारित्र चक्रवर्ती
परम पूज्य आचार्य श्री शांति सागर जी

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 31 अंक 30 कुल पृष्ठ 12 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 26 मई 2025, वीर नि. संवत् 2550

Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

चातुर्मास के लिये स्थापना के कलश

चांदी तामा गोल्ड एवम् गंगा जमुना पालिश के कलश हेतु संपर्क करें:-

श्री विद्यासागर मंगल कलश

9760235281, 9411466923, 9548757202

पूर्व से विराजित शासन देवी देवताओं को हटाना गलत

- आचार्यश्री वर्धमान सागर

सिंगोली (मध्य प्रदेश)। मंदिर में जो परंपरा विद्यमान है उसे बनाकर रखना चाहिए, पुरानी आगम परंपरा को हटाकर नई व्यवस्था करना आगम के अनुरूप नहीं है। इससे समाज खंडित होता है, वर्तमान में समाज को संगठित होना जरूरी है समाज के संगठन से धर्म की प्रभावना होती है, मंदिर का विकास सभी के सामूहिक प्रयासों से होता है। भगवान के जिनालय में पूजन भक्ति कर मनुष्य जीवन को सफल बनाना चाहिए। शेष पृष्ठ 4 पर...

WONDERFUL 12 Nights / 13 Days
EUROPE
शुद्ध जैन भोजन किचन कारावेन के साथ
7 खूबसूरत देशों की सैर
15 June, 10 Sep, 23 Sep, 25 Oct
यूरोप जैन मंदिर के दर्शन
FRANCE, PARIS, ITALY
AUSTRIA, AMSTERDAM
GERMANY, SWITZERLAND
द्वारा: नेमचंद जुगल किशोर जैन तीर्थ यात्रा संघ
VAYUDOOT WORLD TRAVELS PVT. LTD.
Mob : +91 9313338256, 9810408256, 9818312056

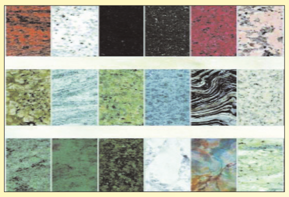

इंडियन इम्पोर्टेड ग्रेनाइट मार्बल्स
(सभी प्रकार के मार्बल्स को खरीदने के लिए सम्पर्क करें)

❑ तिलक मार्बल्स (प्रा.) लि. ❑ तिलक मार्बल्स, तिलक ग्रैनाइट्स ❑ श्री रघुपति कोटेक्स पाटन
❑ तिलक मार्बल्स एण्ड हैण्डीक्राफ्ट्स ❑ तिलक स्टोन आर्टस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर ❑ तिलक हैण्डीक्राफ्ट्स
❑ शाश्वत मार्बल्स एण्ड हैण्डीक्राफ्ट्स ❑ राजीव मार्बल्स एण्ड इंजीनियर्स, समस्त तिलक ग्रुप

सम्पर्क अधिकारी: शेखर चन्द पाटनी, 9667168267, 8003892803 ईमेल - rkpatni777@gmail.com

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

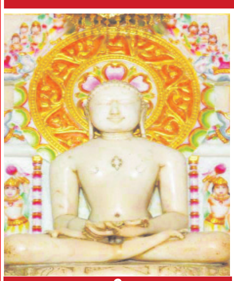

869 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण

LIVE
आरती : 7:15 - 7:45 AM
शांतिधारा : 8:30 AM

@jainmandirhasteda
नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:
अमित शर्मा (Manager)-9783016885

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

हस्तेड़ा जैन मंदिर दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.
संपर्क सूत्र:
नितिन कुमार पाटनी (मंत्री) 9001255955
मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष) 095880-20330

JK MASALE SINCE 1957

– Breakfast Matlab –
JK POHA
Shudh Khao Swasth Raho...

Buy online on jkcart.com

गुरु पूजन कर मनाया आचार्यकल्प श्रुत सागर जी महाराज का 38वां समाधि दिवस

शेखर चन्द पाटनी
राष्ट्रीय संवाददाता

मदनगंज-किशनगढ़। सिटी रोड स्थित जैन भवन में आर्यिका 105 श्रुतमती माताजी व आर्यिका सुबोधमती माताजी ससंघ के सानिध्य में श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन पंचायत और सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से 17 मई को आचार्य श्रुतसागर महाराज का 38वां समाधि दिवस मनाया गया। प्रचार मंत्री गौरव पाटनी ने बताया कि शनिवार को प्रातः भगवान शांतिनाथ आदिनाथ एवं महावीर स्वामी के जल, नारियल पानी, नारंगी रस, आम रस, मौसंबी रस,अनार रस, सर्वोषधि, शर्करा, घृत, केसर, पुष्प, सुगंधित जल से पंचामृत अभिषेक कर पंचामृत अभिषेक कर शांतिधारा की गई तत्पश्चात विधानाचार्य मनीष गोधा फागी के निर्देशन में शांति विधान मंडल पर शांति विधान करते हुए अर्घ्य समर्पित किए गए 20वीं सदी के दिगंबर परंपरा के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष पूजन के दौरान भक्ति नृत्य करते हुए भक्तों ने जल, चंदन, अक्षत, नैवेद, दीप, धूप, फल आदि अष्ट द्रव्य समर्पित किए। आचार्य श्री की जयकारों के साथ माहौल भक्तिमय हो गया, अंत में आरती की गई। दोपहर में विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें सभा का शुभारंभ 20वीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शांति सागर, आचार्य धर्म सागर, आचार्य कल्प श्रुत सागर एवं आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दिलीप कासलीवाल, राजेश पांड्या सुभाष बड़जात्या ने दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में यशस्वी बोहरा एवं प्रांजुल जैन ने भक्ति नृत्य कर मंगलाचरण किया। सभी पूर्वाचार्य को अर्घ्य समर्पित किए। विधानाचार्य मनीष गोधा के निर्देशन में भक्ति भाव से मनोज जैन एंड पार्टी जयपुर की सुरमधुर लहरियों पर आचार्य धर्म सागर जी एवं आचार्य कल्प श्रुत सागर जी महाराज की संगीतमय पूजन करते हुए जल, चंदन, अक्षत, नैवेद्य, दीप, धूप, फल आदि अष्ट द्रव्य समर्पित किये। कार्यक्रम के दौरान आचार्य श्रुतसागर जी महाराज के जीवन पर आधारित प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें सही जवाब देने वाले व्यक्ति को रजत सिक्का देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान पंचायत अध्यक्ष विनोद पाटनी, आदिनाथ पंचायत अध्यक्ष प्रकाश चंद्र गंगवाल, समाजसेवी संजय पापड़ीवाल ने श्रुतसागर महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए विनयांजलि प्रस्तुत की। कार्यक्रम में आर्यिका श्रुतमति माताजी के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य संजय कुमार पुनीत कुमार पापड़ीवाल परिवार को प्राप्त हुआ वहीं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य महावीर प्रसाद ठोल्या व कैलाश बाकलीवाल को प्राप्त हुआ व वस्त्र भेंट करने का सौभाग्य अशोक कुमार सुखमाल मुकेश कुमार बोहरा परिवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री मुनिसुव्रतनाथ पंचायत के सदस्यों द्वारा बाहर से पधारे हुए अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया गया। अंत में आर्यिका 105 श्रुतमती माताजी व आर्यिका सुबोधमती माताजी ने सभी को मंगलमय आशीर्वाद दिया।

आर्यिका श्री श्रुतमती माताजी, आर्यिका श्री सुबोधमती माताजी ससंघ का विहार

मदनगंज किशनगढ़। लगभग 15 दिन के अल्प प्रवास के बाद सिटी रोड स्थित जैन भवन से आर्यिका 105 श्री श्रुतमती माताजी, प.पू. आर्यिका 105 श्री सुबोधमती माताजी ने चौरू की ओर विहार किया। रास्ते में कमल जी वेद नंगे पांव माता जी के साथ अन्य श्रावक-श्राविकाओं के साथ मुझे भी माता जी के साथ विहार में चलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। माताजी द्वारा किशनगढ़ में अत्यधिक प्रभावना हुई। किशनगढ़ के लोगों ने माताजी को चातुर्मास के लिये निवेदन किया है। संघ ने रात्रि विश्राम जयपुर रोड स्थित शांति सागर स्मारक पर किया। पंचायत अध्यक्ष विनोद पाटनी ने बताया कि आर्यिका ससंघ ने अल्प प्रवास के दौरान खूब धर्म प्रभावना की। ससंघ के सानिध्य में श्री शांतिनाथ महामण्डल विधान का भव्य आयोजन गया जिसमें समाज बंधुओं ने बढ़चढ़ाकर हिस्सा लिया। पाटनी ने बताया कि विहार के दौरान रास्ते में जगह-जगह भक्तों द्वारा पाद प्रक्षालन एवं आरती की। आर्यिका माताजी ने सभी को मंगलमय आशीर्वाद दिया। इस दौरान पंचायत अध्यक्ष विनोद पाटनी, चेतन प्रकाश पांडया, प्रेमचंद बड़जात्या, गौरव पाटनी, बाबू भाई गादिया, मांगीलाल झांझरी, पवन पाटनी, विवेक बाकलीवाल, अंकित पाटनी, कमल बैद, अशोक मित्तल, महावीर जी ठोल्या, पूनीत जैन, कैलाश जी बाकलीवाल सहित अनेक भक्त विहार में साथ थे। राजकुमार दोसी ने सबके साथ मिलकर शांति सागर स्मारक ट्रस्ट में माताजी की अगवानी व पाद प्राक्षलन किया इसमें राजेन्द्र जी पाटनी मेड़ता वाले भी विहार में साथ में थे। **- शेखर चन्द पाटनी,राष्ट्रीय संवाददाता**

जैन मंदिरों में शिविरों का हुआ उद्घाटन

फागी संवाददाता

राजस्थान की राजधानी जयपुर शहर में दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के तत्वावधान में धार्मिक शिविरों की बह रही है गंगा, कार्यक्रम में प्रसिद्ध समाजसेवी सुधीर बाकलीवाल लाली ने बताया श्री 1008 मुनि सुब्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर कल्याण नगर, टोंक रोड पर 16.05.2025 को प्रातः 8:00 बजे सकल समाज की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ जुलूस के साथ हुआ। अति उत्साह के साथ शिविर का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में शरद-बीना जी गोधा के द्वारा कलश स्थापना एवं दीप प्रज्वलित, श्रीमान सुशील-मंजू जी अजमेरा, दुलीचंद आशा जी परिवार के द्वारा चित्र अनावरण किया गया। कार्यक्रम मंदिर कमेटी एवं सभी समाज के सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने धार्मिक नारे लगाऐं एवं बहुत सुंदर प्रस्तुति दी। विद्वान प्रदीप भैया जी का सम्मान किया गया। हम सब मिलकर पूर्ण प्रयास करेंगे कि हम शिविर को अति सफल बनाएं और ज्यादा से ज्यादा धर्म की प्रभावना करें।

जनकपुरी ज्योति नगर जयपुर में श्रमण संस्कार शिक्षण शिविरों से धर्म और ज्ञान का बोध

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जयपुर, 20.05.25। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर जयपुर में ग्रीष्म कालीन श्रमण संस्कार शिक्षण शिविर में मंगलवार को शिविर आयोजक संस्था श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्थान सांगानेर के पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि सांगानेर संस्थान के कार्याध्यक्ष समाज श्रेष्ठी प्रमोद पहाड़िया, संस्थान के मानद मन्त्री श्रेष्ठी सुरेश कासलीवाल तथा बालिका छात्रावास की उपाध्यक्ष श्राविका नीना जी पहाड़िया के अलावा महिला समिति राजस्थान की अंचल अध्यक्ष श्रीमती शालिनी बाकलीवाल, अंचल कोषाध्यक्ष श्रीमती विधुत लुहाड़िया के साथ संस्थान शिविर प्रभारी पं. विनय शास्त्री व अंजना जैन का जनकपुरी शिविरार्थियों द्वारा तालियों की गड़गड़ाहट के मध्य तिलक, माला, दुपट्टा व साफा पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में इसके पूर्व विदुषियों द्वारा संत वंदन तथा दीपिका जैन व रूबल शाह द्वारा चौबीस तीर्थंकर वंदन किया गया। इधर सोभाग मल पाटनी परिवार के कमलेश दीपा जैन द्वारा अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन किया गया। संयोजक राजेंद्र ठोलिया व मिश्रीलाल काला के अनुसार प्रमोद पहाड़िया ने अपने संबोधन में कहा कि धार्मिक शिक्षण शिविरों से जीवन में क्रांति आती है और संस्थान से आयीं विदुषियाँ धर्म के साथ साथ संस्कार का पाठ भी पढ़ा रही हैं।

जैन गजट संवाददाता पारस जैन "पार्श्वमणि" को अ. भा. जैन पत्र संपादक संघ का कोटा संभाग का समन्वयक (संयोजक) बनाया

पंकज जैन, जयपुर

कोटा (राजस्थान)। जैन युवा पत्रकार गौरव सर्वश्रेष्ठ संवाददाता अवार्ड विजेता जैन समाज की अनमोल मणि जैन धर्म प्रचारक राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा वर्तमान के श्रवण कुमार की उपाधि से अलंकृत अपनी सुरीली आवाज में भावपूर्ण शानदार भजनों की प्रस्तुति देने वाले विगत 35 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पारस जैन ''पार्श्वमणि'' पत्रकार कोटा को अ. भा. जैन पत्र संपादक संघ का कोटा संभाग का संयोजक मनोनीत किया गया है। कोटा बूंदी बारां झालावाड़ इनका कार्य क्षेत्र रहेगा। इससे कोटा शहर में ही नहीं अपितु संपूर्ण राजस्थान की जैन समाज में हर्ष की लहर व्याप्त हो गई है। पंकज जैन जयपुर ने बताया कि ''पार्श्वमणि'' ने संपूर्ण भारत की शिक्षण संस्थाओं में मेरी भावना को लागू किया जाए विषय को उठाया हुआ है। मध्य प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूल के 7 वीं क्लास के हिन्दी विषय में प्रथम एक नंबर इसको रखा है। अभी भी ये मुहिम चल रही है। पंकज जैन जयपुर ने जानकारी देते हुये कि बताया देव शास्त्र गुरु के परम भक्त स्वर्गीय विमल चंद जैन स्वर्गीय श्रीमति शांति देवी जैन के सुयोग्य सुपुत्र पारस जैन ''पार्श्वमणि'' पत्रकार को संपूर्ण भारत वर्ष के जैन साधु संतों का मंगल आशीर्वाद मिला हुआ है। आपने जीवन में प्रथम बार विद्या सागर जी महाराज के दर्शन कर उनको उसी दिन आहार देने का परम सौभाग्य भी मिला हुआ है। पूरे संघ में इनके भाव भरे भजनों को सुन भाग्योदय तीर्थ सागर में मंगल आशीर्वाद प्रदान किया था। न्यास अध्यक्ष मिलाप चंद डडिया अ. भा. जैन पत्र संपादक संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र जैन एडवोकेट, महामंत्री डॉ. अखिल बंसल ने पारस जैन ''पार्श्वमणि'' जी के उज्जवल भविष्य की मंगलमय कामना करते हुए शुभकामनाएं प्रदान कीं।

जैन समाज जोबनेर ने आर्यिका संघ के किये दर्शन

शेखर चंद पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता

प. पू. आर्यिका 105 श्री आदिमती माताजी की संघस्था प. पू. आर्षमार्ग रक्षिका आर्यिका 105 श्री श्रुतमती माताजी, प. पू. आर्यिका 105 श्री सुबोधमती माताजी ससंघ का किशनगढ़ से दूदू की ओर विहार गतिमान है। दिनांक 19 मई को दिगम्बर जैन समाज, जोबनेर ने संघ के पाटन में दर्शन सेवा लाभ लिया। इस अवसर पर श्री शांतिवीर जैन गुरुकुल समिति के मिक्की बड़जात्या, अमित छाबड़ा, माणक सेठी, विनोद जैन मीठा जी, प्रवीण ठोलिया ने माताजी को गुरुकुल जोबनेर में अल्पकालिक प्रवास के लिय श्रीफल भेंट किया। श्री शान्तिवीर जैन गुरुकुल संस्था के संरक्षक संजय जी पापड़ीवाल किशनगढ़ के फार्म हाउस पर आयोजित णमोकार मंत्र विधान में सभी ने हिस्सा लिया एवं इस अवसर पर माताजी ने सभी को प्रेरणा प्रदान करते हुए धर्म के प्रति समर्पित रहते हुए कार्य करने को प्रेरित किया।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित
SANTOSH JAIN & ASSOCIATES
SWATI VINIMAY & CONSULTANCY PVT. LTD
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.
OFFICE
CITY TRADE CENTRE,
Near Athgaon Flyover, A.T. Road, Guwahati-781001
M. : 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 8638773711

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस-स्नेहा काला

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H.S.Road, Chhatribari, Guwahati-781008
E-mail : casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

महासभा प्रतिनिधि मण्डल और ट्रस्टियों को मिला आचार्यश्री प्रसन्न सागरजी का पावन दर्शन एवं आशीर्वाद

गुरुवार, 22 मई 2025 को श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल एवं महासभा का एक प्रतिनिधिमण्डल और महासभा चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी-श्री शरद कासलीवाल, ट्रस्टी-श्री प्रवीण कुमार जैन, ट्रस्टी-श्री पवन गोधा, ट्रस्टी-श्री गजेंद्र बज जी आदि, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, जम्बू प्रसाद जैन जी, सराक ट्रस्ट के उपाध्यक्ष श्री योगेश जैन, त्रिलोक तीर्थ धाम बड़ागांव-त्रिलोक तीर्थ कमेटी पदाधिकारी, सराक ट्रस्ट के पदाधिकारी को आध्यात्मिक और धर्ममय वातावरण में देवभूमि उत्तराखंड में ऋषियों की तपोभूमि हरिद्वार के पतंजलि गुरुकुलम में उभय मासोपवासी, साधना- महोदधि, परम पूज्य अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज के पावन दर्शन एवं शुभ आशीर्वाद प्राप्त करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह दिव्य अवसर न केवल प्रतिनिधि मंडल के लिए एक आध्यात्मिक प्रेरणा का स्रोत बना, बल्कि साधु-संत परंपरा के प्रति गहन श्रद्धा और समर्पण की भावना को भी प्रकट करता है। प्रतिनिधियों ने पूज्य गुरुदेव से विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया तथा आगामी आयोजनों हेतु आशीर्वाद लिया। पूज्य आचार्य श्री के शांत, ओजस्वी एवं तपोमय व्यक्तित्व से सभी पदाधिकारीगण भावविभोर हो उठे और उनके सान्निध्य को जीवन का दुर्लभ अवसर माना। श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल, महासभा चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टियों, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सराक ट्रस्ट के पदाधिकारी, त्रिलोक तीर्थ धाम बड़ागांव - त्रिलोक तीर्थ कमेटी पदाधिकारियों ने पतंजलि योगपीठ के परम पूज्य योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज जी से भेंट की और उन्हें 'बड़ा गांव' पधारने हेतु निमंत्रण दिया।

शेष पृष्ठ 3 का..

मंदिर में पूर्व से विराजित शासन देवी देवताओं को हटाना गलत है। जो व्यवस्था पूर्व से चल रही उसे बदलना आगम अनुसार नहीं है, उनका अनादर नहीं होना चाहिए। यह मंगल देशना पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने सिंगोली नगर प्रवेश पर आयोजित धर्म सभा में प्रगट की। राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने उपदेश में आगे बताया कि प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी ने कर्नाटक महाराष्ट्र से उत्तर भारत सिद्धक्षेत्र सम्मेदशिखर जी के लिए विहार किया तब भी नर नारी के अभिषेक पूजन के लिए चैत्यालय साथ में रहता था तब से वर्तमान तक यह परम्परा चल रही है। आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने दिगंबर जिनालयों के संरक्षण के लिए 1105 दिन से अधिक का अन्न आहार त्याग किया। जिनवाणी को भी ताम्रपत्रों पर अंकित कराया। वर्तमान में जिनालयों का दर्शन पूजन उन्हीं के कारण स्वतंत्रता पूर्वक सुलभ है। इसके पूर्व आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश 22 मई गुरुवार को प्रातःकाल नगर में हुआ। समाज के अध्यक्ष चांदमल जी बगड़ा, मंत्री निर्मल जी खटोड़ एवं पारस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ 36 मुनिराजों का नगर में विशाल संघ के साथ वर्ष 1998 के बाद दूसरी बार नगर में मंगल पदार्पण हुआ है। नगर प्रवेश के दौरान समाजजनों ने जगह-जगह आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन आरती उतारी, वहीं 108 थाली में आचार्य श्री का समाजजनों ने पाद प्रक्षालन किया जो यादगार क्षण था। आचार्य श्री संघ का मंगल प्रवेश जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचा जहां पर श्रीजी के दर्शन किए व उसके बाद विद्यासागर सन्त निलय पहुंचे जहां पर धर्म सभा हुई।सर्वप्रथम मंगलाचरण बालिका मण्डल द्वारा, आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज के चित्र अनावरण समाज कार्यकारणी समिती सिंगोली व किशनगढ़ से पधारे समाजजनों द्वारा, दीप प्रज्वलन बिजोलिया समाजजनों ने, आचार्य श्री का प्राद प्रक्षालन अनिल कुमार सामरिया परिवार झांतला व शास्त्र भेंट कैलाशचन्द सौरभ कुमार बगड़ा द्वारा किया गया, इस अवसर पर बोराव, धनगाव थडोद, किशनगढ़, झांतला, बिजोलिया, कोलकाता, विजयनगर, रावतभाटा बेगु आदि नगरों के समाजजन उपस्थित होकर नगर आगमन हेतु निवेदन किया। - राजेश पंचोलिया

राजकीय अतिथि, कवि, हृदय, वात्सल्य मूर्ति, अभीक्षण ज्ञानपयोगी, आचार्य 108 श्री शशांक सागर जी मुनिराज अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में विराजमान हैं

शशांक वाणी

जिनके चरणों में लगी हुई तीर्थों की पावन रजकण, बड़े भाग्य से मिल पाता उन चरणों का स्पर्शन जिनकी हितमित प्रिय वाणी हरती है धरती का क्रंदन, ऐसे आचार्य शशांक सागर जी के चरणों में हमारा शत शत नमन

धर्म की बात न मानो, परन्तु धर्म की आड़ में छिपकर पाप मत करो

-: नमनकर्ता/पुण्यार्जक :-

1. श्रेष्ठी ऋषभ कुमार सेठी (अध्यक्ष तिलक नगर, जयपुर)
2. पवन कुमार बड़जात्या मरवावाले किशनगढ़
3. श्रेष्ठी विनित चांदवाड़ (सिद्धार्थ नगर, जयपर)
4. श्रेष्ठी अनूप चंद जैन (भुसावर वाले, जयपुर)
5. श्रेष्ठी महेश-राकेश कुमार ठोलिया (मारूजी का चैक, जयपुर)

1. अरूण कुमार काला अध्यक्ष (कीर्ति नगर जयपुर)
2. अशोक चांदवाड, (वसुन्धरा कॉलोनी, जयपुर)
3.भंवरी देवी काला ध.प. महेन्द्र काला, (स्वर्णपथ मानसरोवर जयपुर)
4. श्रीमती राखी गंगवाल, (आदिनाथ नगर, जयपुर)
5. प्रेमचन्द सुभाषचन्द लक्ष्मी बगड़ा (नेमीसागर कालोनी, जयपुर)

विज्ञापन प्रेषक: R.K.Advertising मदनगंज किशनगढ़ द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatin777@gmail.com

चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष

संपादकीय

युगप्रवर्तक का यशस्वी आचार्य पद शताब्दी वर्ष

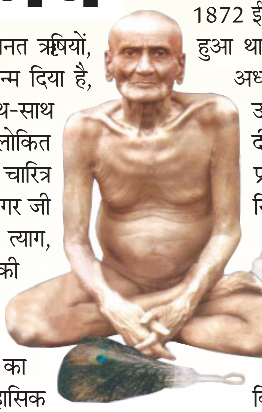

भारत की तपोभूमि ने अनगिनत ऋषियों, मुनियों और आचार्यों को जन्म दिया है, जिन्होंने आत्मकल्याण के साथ-साथ लोक कल्याण के पथ को आलोकित किया। ऐसे ही युगपुरुष थे चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज, जिनका जीवन त्याग, तपस्या, संयम और चारित्र की चरम पराकाष्ठा का प्रतीक रहा। वर्तमान वर्ष (2025-26) उनके आचार्य पदारोहण का शताब्दी वर्ष है। एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व का क्षण, जो हमें उनके जीवन, दर्शन और **योगदान को पुनः** स्मरण कर श्रद्धानत होने का अवसर देता है। आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का जन्म 1872 ई. में कर्नाटक के यलगुड ग्राम में हुआ था। बचपन से ही उनका जीवन अध्यात्म और वैराग्य की ओर उन्मुख था। 1918 में उन्होंने मुनि दीक्षा लेकर दिगंबर साधु परंपरा में प्रवेश किया और कठोर संयम, निर्भय वाणी और गहन साधना के माध्यम से शीघ्र ही साधु समाज में विशिष्ट स्थान प्राप्त किया। 1925 ई. में उन्हें 'आचार्य' पद पर प्रतिष्ठित किया गया, जो दिगंबर साधु परंपरा के पुनरुद्धार का ऐतिहासिक क्षण था।

आचार्य पदारोहणः परंपरा का पुनर्जीवन – बीसवीं सदी के प्रारंभिक काल में जब दिगंबर साधु परंपरा भारत में क्षीण हो रही थी, उस समय आचार्य श्री ने अपने तेजस्वी आचरण, निर्भीक प्रवचन और अपार तपस्या से न केवल परंपरा को पुनर्जीवित किया, बल्कि इसे जन-जन तक पहुँचाया। आचार्य पदारोहण की इस घटना ने दिगंबर परंपरा को पुनः जीवंत किया। 'चारित्र चक्रवर्ती' के नाम से प्रसिद्ध हुए आचार्यश्री ने दिगम्बर जैन परंपरा को पुनर्जीवित कर ऐतिहासिक कार्य किया।

झुकते हैं सिर श्रद्धा सहित,
उस नंगे पाँव तपस्वी को,
जिसने भारत की धरा पर,
फिर से संयम रेखा खींची।
चारित्र चक्रवर्ती वह था,
जिसका कोई तुल्य नहीं,
जिनशासन के उजियारे में,
वह अमर दीप-सा दीप्त दिखे।।

चारित्र की पराकाष्ठाः उनका चारित्र इतना सुदृढ़ और तेजस्वी था कि वे चलते-फिरते तपोवन कहलाते थे। उन्होंने कई कठोर उपवास किए, कभी अनुकूलता की अपेक्षा नहीं की और जीवन भर मात्र आत्म कल्याण के पथ पर अडिग रहे। आचार्य श्री शांतिसागर जी ने एक परंपरा की पुनर्स्थापना की जो आज भारत भर में सक्रिय है और विश्वभर में जैन अनुयायियों को मार्गदर्शन देती है।

शताब्दी वर्ष का महत्वः 2025-26 में आचार्यश्री के आचार्य पदारोहण की 100वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है, जो केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण, चारित्र साधना और परंपरा के प्रति आस्था को पुनर्स्थापित करने का अवसर है। परंपरा के पंचम पट्टाचार्य वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज की मंगल प्रेरणा से देशभर में जैन समाज विविध आयोजन कर रहा है। यह वर्ष हमें उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाने और उन्हें अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का संकल्प प्रदान करता है।

आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का आचार्य पदारोहण केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक क्रांति का प्रारंभ था। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है कि कैसे कठोरतम आचार संहिता में रहते हुए भी लोक कल्याण और आत्म कल्याण संभव है। इस शताब्दी वर्ष में हमें उनके सिद्धांतों को स्मरण कर उन्हें आत्मसात करना चाहिए, जिससे हमारा जीवन भी संयम, साधना और शांति की ओर अग्रसर हो।

आज जो भी संयम-पथिक हैं,
उनका आधार वही पुरुष।
शांतिसागर, नाम नहीं बस,
वह युगपुरुष महान है।।

- डॉ. सुनील जैन 'संचय'
प्रधान सम्पादक

विचारों का ट्रैफिक घटाइए, सुंदर होगी जीवन यात्रा

निर्मल जैन

अवसरों की सुलभता के बावजूद ईमानदारी, अधिकार सम्पन्न होने पर भी विनम्रता, धनवान होने पर भी सरलता एवं क्रोध के समय भी शांत रहना सही जिंदगी जीने का यही सही तरीका है। क्रोध, बदला और अभिमान जैसी नकारात्मक भावनाएं हमें धीरे-धीरे डुबो देती हैं, क्योंकि ये बोझ हमें मानसिक और भावनात्मक रूप से थका देते हैं। जब हम अपने भीतर इन बोझ को लेकर चलते हैं तो वह धीरे-धीरे हमारी ऊर्जा को खत्म कर देते हैं लेकिन जैसे ही हम इन सबको छोड़ अपने को हल्का करके आगे बढ़ते हैं तब हमें अलोकिक शांति की अनुभूति होती है। सड़कों पर जितना कम ट्रैफिक रहता है उतनी ही यात्रा सुगम हो जाती है, इसी तरह अपने मन में विचारों के ट्रैफिक को जितना कम से कम रखेंगे जीवन यात्रा उतनी ही सुंदर और सरल होती जाएगी। अपने खिलाफसभी नफरत भरी बातों से उद्वेलित न होकर उन्हे मौन होकर सुन लेना और जवाब देने का हक वक्त को दे देना ही बुद्धिमानी का काम है। आपके उत्कर्ष से अगर लोग आप पर हंसते हैं तो उसका कारण है कि हर दिन अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के कारण आप उनसे बिल्कुल अलग हो। उपहास के पात्र तो वे हैं कि वह जो कल थे वही आज हैं, जस के तस।

संघर्ष के दिनों में अगर अलग-थलग पड़ गए हैं तो निराश न हों क्योंकि सितारे भी अंधेरे में ही चमकते हैं - आचार्य विद्यासागर।

सफलता प्राप्ति की खुशी में शोर न मचाएँ, गम बड़ी कच्ची नींद सोते हैं। जीवन की यह कड़वी और कठोर लेकिन सार्वभौमिक सच्चाई है कि जिंदगी उस वक्त भी नहीं रुकती जब हमारा दिल आहत होता है, हमारा मन थका हुआ होता है या जब हमारी आत्मा बिखरने के कगार पर होती है। जीवन निर्दयी और बेपरवाह आगे बढ़ता रहता है और हमसे भी यही अपेक्षा करता है कि हम भी उसके साथ-साथ चलते रहें। न ठहरने का समय है, न ही घावों को भरने की फुर्सत, न ही खुद को समेटने का कोई चुपचाप कोना। दुनिया इंतजार नहीं करती, चाहे हम कितनी भी शिद्दत से एक पल के ठहराव की गुहार लगाएं। अर्नेस्ट हेमिंग्वे का कहना है कि वयस्क जीवन में सबसे कठिन सबक जो मुझे सीखना पड़ा, वह यह था कि अंदर से कितना भी टूट चुका हो, चलते रहना जरूरी है।

सफलता का अर्थ है अपने आप को सही स्थापित करना, किसी को गलत साबित करना सफलता नहीं है। अपने मन की शांति के लिए हर चीज को समझने की कोशिश करना छोड़ दें और बहस करने की बजाय दूरियां बना लेना ज्यादा अच्छा होता है। हम जिंदगी बिता देते हैं इस तलाश में कि कितना और क्या पाना है ? जबकि जो मिला है, जो पाया है उसका करना क्या है यह भी नहीं जानते। घास के वे तिनके जो बेकार कूड़े करकट में पड़े थे नन्हीं चिड़ियों के हुनर से आशियाने बन जाते हैं। हमें पक्षियों का कलरव सुनना है तो पिंजरा नहीं खरीदना है, वृक्ष लगाने चाहिए। अपनी क्षमता और विवेक पर विश्वास रखें और उसी के अनुरूप काम करें। दवा भी विश्वास से ही फलदायक बनती है। हर स्थिति में अपने किरदार की हिफाजत करनी है क्योंकि जिन्दगी के बाद यही याद किया जाता है। पुरुषार्थ करते समय सोचें कि हर एक बात हमारे ऊपर निर्भर है, इसके विपरीत जब हम प्रार्थना करें तो हमारी आस्था हो कि हर बात ईश्वर पर निर्भर है।

जैन धरोहर दिवस का समाचार भेजने के संदर्भ में

राजकुमार जैन सेठी, महामंत्री तीर्थ संरक्षिणी महासभा

स्व. निर्मल कुमार जी जैन सेठी की चतुर्थ पुण्य तिथि जैन धरोहर दिवस 27 अप्रैल 2025 को सम्पूर्ण भारतवर्ष यथा बिहार, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, तमिलनाडु आदि सभी स्थानों में खूब धूमधाम से मनाया गया। जिन स्थानों से जैन धरोहर दिवस मनाये जाने के समाचार फोटोग्राफ के साथ अभी तक नहीं भेजे जा सके हैं उन सभी से निवेदन है कि 30 मई 2025 तक समाचार फोटोग्राफके साथ लखनऊ कार्यालय के व्हाटसेप न. 9129065900 अथवा Email : tsmahasabha@ gmail.comपर भिजवाने की कृपा करें ताकि श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा द्वारा जैन धरोहर दिवस 2025 की प्रकाशित होने वाली पुस्तक में उन्हें सम्मिलित किये जा सकें।

जयपुर की ओर विहार कर रहे

परम पूज्य वात्सल्य वारिधि, जिन धर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज एवं समस्त मुनि संघ के चरणों में

शत् शत् नमन, शत् शत् वंदन

नमनकर्ता: राजेन्द्र कुमार जैन, भागचन्द्र जैन एवं समस्त छाबड़ा परिवार

'Manik Ratan Bldg', By lane Kamal Patrol Pump, H. B. Road, Machkhowa, Guwahati - 781009

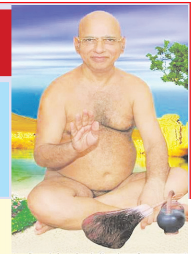

Jain Group

फागी कस्बे में आठ दिवसीय संस्कारोदय धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

फागी कस्बे में विराजमान आचार्य निर्मल सागर महाराज की सुयोग्य शिष्या भारत गौरव गणिनी आर्यिका रत्न विशुद्धमति माताजी से संघ के पावन सानिध्य में 20 मई से 28 मई 2025 तक आठ दिवसीय धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का जयकारों के साथ शुभारंभ हुआ। समाज श्रेष्ठी सोहनलाल, महावीर प्रसाद, सत्येंद्र कुमार, सुकुमार झंडा परिवार ने झंडारोहण करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया, कार्यक्रम में शिक्षण संस्कार शिविर में फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा-श्रीमती मीरा झंडा ने मंगल कलश की स्थापना करके धर्म लाभ प्राप्त किया। इसी कड़ी में भागचंद जैन टीबा वाले, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, महावीर बावड़ी सुकुमार झंडा, अशोक कागला, नवरत्न कठमाना, कैलाश कडीला, संतोष बजाज तथा राजाबाबू गोधा ने चित्र अनावरण किया। कार्यक्रम में महावीर प्रसाद-सुशीला जैन बावड़ी वाले ने दीप प्रज्वलन किया, निशांत- शिवानी जैन जयपुर निवासी ने जिनवाणी भेंट की, रेखा झंडा ने मंगलाचरण किया। कार्यक्रम में शिविर के संयोजक निखिल जैन लावा ने बताया कि यह कार्यक्रम आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में सकल दिगंबर जैन समाज फागी एवं जैन धर्म रक्षक पाठशाला फागी की अगुवाई में पंडित अमित जैन दमोह के दिशा निर्देश में विभिन्न आयोजनों के साथ आयोजित किया गया। इसी कड़ी में समाज सेवी सोहनलाल झंडा ने बताया कि इसी संघ में संघस्थ सुमन दीदी की गोद भराई का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें सारे समाज ने सुमन दीदी की गोद भरकर धर्म को बढ़ाने की कामना की, संघस्थ सुमन दीदी उनका भरा पूरा परिवार छोड़कर इसी संघ में रहकर धर्म की प्रवाहना बढ़ा रही है। कार्यक्रम में जानकारी पर ज्ञात हुआ कि 23 नवंबर 2025 को यह संघ जहां भी रहेगा संघस्थ सुमन दीदी आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में दीक्षा ग्रहण कर वैराग्य की ओर बढ़ते हुए मोक्ष का मार्ग अपनायेगी।

समाज के अध्यक्ष महावीर प्रसाद झंडा ने बताया कि आर्यिका संघ को पावन चातुर्मास 2025 के लिए सकल जैन समाज फागी की तरफ से सामूहिक रूप से जयकारों के साथ श्रीफल भेंट कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया जिसपर आर्यिका श्री ने मुस्कुराते हुए बताया कि पावन चातुर्मास 2025 कहां पर होगा इसकी घोषणा फागी कस्बे में श्रुत पंचमी के रोज यहां पर ही की जाएगी। यह बात सुनते ही सारे समाज ने तालियों की गडगडाहट से सारे सभा भवन को जयकारों के साथ गूंजायमान कर दिया, कार्यक्रम में आज शिविर के प्रथमदिन अमित भैया एवं शिवानी दीदी सप्तव्यसन के बारे में बताया कि आजकल फास्ट फूड में कई सारे प्रिजर्वेटिव्स डाले जाते हैं जो जीवों को मारकर बनाए जाते हैं, उन्हें खाकर हम अनजाने में धर्म को भूल रहे हैं।

सावर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव में जैनेश्वरी मुनि दीक्षा महोत्सव सम्पन्न

संवाददाता

प. पू. वात्सल्य मूर्ति आचार्य 108 श्री इन्द्रनन्दी जी महाराज, प. पू. बालाचार्य 108 श्री निपूर्ण नंदी जी महाराज, भारत गौरव स्वस्ति धाम तीर्थ प्रणेत्री गणिनी आर्यिका रत्न 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में राजस्थान में अजमेर जिले की धर्म परायण नगरी सावर में 13 मई से 18 मई 2025 तक चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में 16 मई 2025 को तप कल्याणक महोत्सव के रोज भव्य जैनेश्वरी मुनि दीक्षा महोत्सव प्रतिष्ठाचार्य पंडित मनोज कुमार जैन शास्त्री बगरोही (शाहगढ) मध्य प्रदेश के दिशानिर्देश में विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा सकल दिगंबर जैन समाज के सहयोग से हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ।

उक्त कार्यक्रम में हजारों की तादाद श्रावक श्राविकाओं ने सहभागिता निभाते हुए उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में ब्र. महेंद्र कुमार जैन शिवाड निवासी ने आचार्य श्री से मुनि दीक्षा ग्रहण करने की अनुमति मांगी जिस पर सभी परिवार जनों से सहमति लेकर मुनि दीक्षा प्रदान कर मोक्ष की ओर अग्रसर किया तथा नया नाम मुनि नाभिनंदी जी महाराज रखा गया, इसी कड़ी में क्षुल्लक 105 श्री निर्मल नन्दीजी महाराज को मुनि दीक्षा ग्रहण करवाकर नया नाम मुनि निर्मलनन्दी जी महाराज रखा गया। कार्यक्रम में जयकारों के साथ सारा पांडाल गुंजायमान हो उठा और सभी श्रावक श्राविकाओं ने नव दीक्षार्थियों से मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी राजस्थान सरकार, केकड़ी शहर के विधायक शत्रुघ्न गौतम, मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल, भाजपा केकड़ी शहर मंडल अध्यक्ष रितेश जैन, अग्रवाल समाज 84 के संरक्षक हुकूम चंद जैन निवाई, अग्रवाल समाज 84 के अध्यक्ष अनिल सूराशाही, विनोद कुमार जैन टोरडी, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा फागी, हंसराज जैन टोड़ा, मुकेश जैन टोड़ा, जैन गजट संवाददाता राजाबाबू गोधा फागी तथा सकल दिगम्बर जैन समाज सावर सहित समस्त आमंत्रित श्रेष्ठीगण, विद्वत गण, पंचकल्याणक महोत्सव आयोजन समिति सहित सभी पदाधिकारीगणों ने कार्यक्रम में शामिल होकर सहभागिता निभाते हुए कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

श्री भारवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
प्रबंधकारिणी समिति (कार्यकारिणी) सदस्यों की बैठक की सूचना

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की प्रबंधकारिणी समिति (कार्यकारिणी) के सदस्यों की संयुक्त बैठक (धर्म संरक्षिणी, तीर्थ संरक्षिणी, श्रुत संवर्धिनी, महिला, युवा महासभा) शनिवार, दिनांक 14 जून 2025 को पूर्वाह्न 10:30 बजे; स्थलः श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन मन्दिर सभागार, राजा बाजार, नई दिल्ली-110001 पर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई है।

एजेण्डा

1. मंगलाचरण एवं दीप प्रज्जवलन।
2. गत बैठक की कार्यवाही अनुमोदनार्थ प्रस्तुत, महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रकाशचन्द्र जैन बड़जात्या द्वारा।
3. श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की त्रैवार्षिक गतिविधियों का लेखा-जोखा की जानकारीः महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रकाशचन्द्र जैन बड़जात्या द्वारा।
4. तीर्थ संरक्षिणी महासभा की त्रैवार्षिक कार्य में प्रगति की जानकारीः तीर्थ संरक्षिणी महासभा राष्ट्रीय महामंत्री, श्री राजकुमार सेठी द्वारा।
5. श्रुत सर्वंर्धिनी महासभा की त्रैवार्षिक गतिविधियों की जानकारीः श्रुत सर्वंर्धिनी राष्ट्रीय महामंत्री डॉ निर्मल जैन द्वारा।
6. महिला महासभा को स्वाबलम्बी बनाने पर विचार विमर्शः महिला महासभा राष्ट्रीय महामंत्री, डॉ. ज्योत्स्ना जैन द्वारा।
7. युवा महासभा को सशक्त करने पर विचार विमर्शः युवा महासभा राष्ट्रीय महामंत्री श्री संदीप जैन द्वारा।
8. महासभा की आगामी त्रैवार्षिक चुनाव प्रक्रिया पर विचार विमर्श।
9. महासभा के त्रैवार्षिक चुनाव की तिथि एवं स्थान निर्धारण करने पर विचार।
10. त्रैवार्षिक चुनाव हेतु मुख्य चुनाव अधिकारी एवं सहयोगी चुनाव अधिकारी की नियुक्ति पर विचार।
11. अन्य राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

आपसे निवेदन है कि आप इस उपरोक्त बैठक में अवश्य पधारें एवं मार्गदर्शन देकर महासभा को मजबूत करने का प्रयास करें। सादर।

- प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
राष्ट्रीय महामंत्री - श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

आचार्यश्री समयसागर जी के सानिध्य में 10 बहिनों ने लिये आजीवन ब्रह्मचर्य

पनागर, 18 मई 2025। यहां सम्पन्न हुये पंचकल्याणक में तप कल्याणक के पावन अवसर पर बहु शिक्षित निम्नलिखित बहिनों ने ब्राह्मी-सुंदरी बनकर संयम की ओर कदम बढ़ाए और आचार्य श्री समय सागर जी महराज से लिये आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत के नियम। ये आदर्श एवं बहुमान योग्य बहिनें इस प्रकार हैं- 1. बाल ब्र. वसु दीदी (बंडा) एम. कॉम, पटवारी। 2. बाल ब्र. दीक्षा दीदी (रहली) प्राचार्या, विद्यालय प्रबंधक। 3. बाल ब्र. पल्लवी दीदी (गुना) एम. एस. सी (रसायन विज्ञान), डी. एड., बी. एड., पीजीडीसीए, सरकारी अध्यापिका। 4. बाल ब्र. सलोनी दीदी (गुना) एम. एस. सी (गणित), बीपीए (संगीत, स्वर्ण पदक), बी. एड.। 5. बाल ब्र. सोनल दीदी (पनागर) एम बी ए। 6. बाल ब्र. रुचि कटंगा दीदी (पनागर) बी. एड.। 7. बाल ब्र. निशी दीदी (दलपतपुर) बीएससी पूर्ण, अध्ययनरत। 8. बाल ब्र. प्रियांशी दीदी (गुना) एमए (अंग्रेजी), बी.एड., पीजीडीसीए। 9. बाल ब्र. प्रिया दीदी (बनवार, दमोह) बीएससी, एमडब्ल्यूएस, बी.एड.। 10. बाल ब्र. डॉ. श्रद्धा दीदी (दिल्ली) बीए, एमएससी, पूर्णायु में वैद्य।

नारी सशक्तीकरण का भय: पुरुष समाज पर उत्पीड़न

डॉ. संतोष जैन
काला (CA)
गुवाहाटी
मो. 9435048488

भारत जैसे समाज में जहां सदियों से महिलाओं को दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता था, वहां नारी सशक्तिकरण एक सकारात्मक और आवश्यक परिवर्तन है।

- महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, राजनीति, खेल, विज्ञान आदि सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए।
- उन्हें आत्मनिर्भर बनाना, निर्णय क्षमता देना और उनकी गरिमा को स्थापित करना समाज की जिम्मेदारी है।
- यह सशक्तिकरण महिलाओं को गुलामी, अन्याय, हिंसा और भेदभाव से मुक्ति दिलाने का रास्ता है।

नारी सशक्तिकरण (Women Empowerment) आधुनिक समाज में एक अनिवार्य और सकारात्मक कदम है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को शिक्षा, समान अधिकार, स्वावलंबन और समाज में गरिमा प्रदान करना है। यह परिवर्तन महिलाओं के विकास और समाज में संतुलन के लिए आवश्यक है। लेकिन जब इस विचारधारा का अतिवादी या पक्षपातपूर्ण रूप अपनाया जाता है तो समाज में पुरुष वर्ग में एक अनकहा भय और असुरक्षा का वातावरण बनता है। विशेष रूप से, यह देखा गया है कि कुछ अविवाहित लड़कों में नारी सशक्तीकरण के नाम पर पुरुष समाज के उत्पीड़न का भय बढ़ता जा रहा है। आज यही स्थिति नारी सशक्तिकरण के कुछ दुरुपयोगों में भी देखी जा रही है, जो पुरुष समाज, विशेषकर अविवाहित युवकों में भय, असुरक्षा और संशय का माहौल बना रही है।

यह लेख इस विषय पर गहराई से चर्चा करेगा, वास्तविक उदाहरणों, तर्क संगत विश्लेषण और उद्धरणों के साथ यह समझाने का प्रयास करेगा कि यह समस्या क्यों उत्पन्न हो रही है और इसका समाधान क्या हो सकता है।

1. नारी सशक्तीकरण का उद्देश्य और उसकी भूमिका: नारी सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ - नारी सशक्तीकरण का अर्थ है महिलाओं को वह अधिकार और स्वतंत्रता देना, जिनसे वे समाज में समान भूमिका निभा सकें। यह पहल शिक्षा, रोजगार, कानूनी अधिकार और सामाजिक सम्मान के माध्यम से महिलाओं को उनके जीवन को नियंत्रित करने का अवसर देती है।

महात्मा गांधी का उद्धरण: ''यदि आप किसी समाज की प्रगति का आकलन करना चाहते हैं तो उसमें महिलाओं की स्थिति को देखें।''

पुरुषों पर इसका प्रभाव: जहाँ एक ओर नारी सशक्तीकरण ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाए हैं, वहीं दूसरी ओर इसका दुरुपयोग भी हुआ है। विशेष रूप से पुरुषों पर झूठे आरोपों, कानूनी प्रक्रियाओं और सामाजिक कलंक के कारण कई बार उनके जीवन को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।

2. पुरुष समाज पर उत्पीड़न के उदाहरण एवं कारण: उदाहरणः शादी भारतीय समाज में एक महत्वपूर्ण संस्था है, जिसे पवित्र और स्थायी बंधन माना जाता है। लेकिन वर्तमान समय में शादी से जुड़े कई ऐसे पहलू सामने आ रहे हैं, जिनसे विशेषकर लड़कों में शादी को लेकर भय और असमंजस की स्थिति बन गई है। ''क्या पता लड़की कैसी होगी?'' यह प्रश्न अब केवल मजाक नहीं, बल्कि वास्तविक चिंता का विषय बन गया है। हाल ही भारत में कई ऐसे दुखद मामले सामने आए हैं जहाँ पुरुषों ने अपनी पत्नियों द्वारा किए गए उत्पीड़न या मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। नीचे कुछ प्रमुख मामलों की जानकारी दी गई है:

1. पीटर सैमुअल (हुबली, कर्नाटक) - जनवरी 2025 में पीटर सैमुअल ने आत्महत्या कर ली। अपने सुसाइड नोट में उन्होंने पत्नी पिंकी पर प्रताड़ना का आरोप लगाया और लिखा, ''वो मेरी मौत चाहती है''।

2. अतुल सुभाष (बेंगलुरु, कर्नाटक) - दिसंबर 2024 में प् इंजीनियर अतुल सुभाष ने 24 पन्नों का सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या की। उन्होंने पत्नी और ससुराल वालों पर मानसिक उत्पीड़न और न्यायिक प्रणाली में पक्षपात का आरोप लगाया।

3. गौरव कुमार (संभल, उत्तर प्रदेश)- मार्च 2025 में गौरव कुमार ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्म हत्या की। उनके पिता ने पत्नी प्रिया और दो अन्य पर उत्पीड़न का आरोप लगाया।

4. मोहित त्यागी (गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश) - अप्रैल 2025 में मोहित त्यागी ने पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने व्हाट्सएप पर परिजनों को आत्महत्या का कारण बताया।

5. राजीव कुमार उर्फ मिंटू (पटना, बिहार)- मार्च 2025 में राजीव कुमार ने पत्नी और ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर आत्म हत्या की। सुसाइड नोट में उन्होंने मानसिक उत्पीड़न का उल्लेख किया।

6. रोहन (मेरठ, उत्तर प्रदेश)- मार्च 2025- में रोहन ने पत्नी की ब्लैकमेलिंग से तंग आकर आत्म हत्या की। पत्नी तीन लाख रुपये और जमीन नाम करने का दबाव बना रही थी।

7. सुरेश सथड़िया (बोटाद, गुजरात)- दिसंबर 2024 में सुरेश सथड़िया ने पत्नी द्वारा मानसिक उत्पीड़न से तंग आकर आत्म हत्या की। उन्होंने अपने मोबाइल में वीडियो रिकॉर्ड कर पत्नी पर आरोप लगाए।

8. अवधेश पासवान (फतेहपुर, उत्तर प्रदेश)- जनवरी 2025 में अवधेश पासवान ने पत्नी के अवैध संबंधों से परेशान होकर आत्महत्या की। मृत्यु से पूर्व उन्होंने डायरी में पत्नी और उसके प्रेमी का नाम लिखा।

इन मामलों से स्पष्ट होता है कि वैवाहिक जीवन में उत्पन्न तनाव और मानसिक प्रताड़ना कितनी गंभीर हो सकती है।

कारण:

(i) जब सशक्तिकरण बन जाए हथियार: समस्या तब उत्पन्न होती है जब कुछ महिलाएं इस विचार का दुरुपयोग कर पुरुष समाज पर मनमानी और झूठे आरोपों से हमला करती हैं।

- 498A। घरेलू हिंसा अधिनियम, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न कानून जैसे अच्छे कानूनों का भी कुछ मामलों में झूठे मुकदमों और निजी बदले के लिए इस्तेमाल किया गया है।
- कुछ लड़कियां सोशल मीडिया पर बिना तथ्यों की जांच किए पुरुषों को बदनाम करने का अभियान चलाती हैं, जिसका सामाजिक, व्यक्तिगत और मानसिक दुष्परिणाम होता है।

उदाहरण: दिल्ली के एक मामले में एक महिला ने दहेज कानून का दुरुपयोग करते हुए अपने पति और उसके परिवार पर झूठे आरोप लगाए। जाँच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि आरोप निराधार थे, लेकिन तब तक परिवार को सामाजिक अपमान और आर्थिक नुकसान सहना पड़ा।

(ii) पुरुषों में बढ़ती असुरक्षा और मनोवैज्ञानिक दबाव:

- अविवाहित युवकों में यह डर घर कर रहा है कि किसी भी महिला के साथ संवाद या मित्रता उनके लिए खतरा बन सकती है।
- ऑफिस, कॉलेज, यहां तक कि सोशल मीडिया पर भी युवक खुद को रोकने लगे हैं।
- विवाह से जुड़े निर्णयों में भी युवक संकोच करने लगे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि शादी बाद कानूनी या सामाजिक उत्पीड़न का शिकार न बन जाएं।
- यह भय पुरुषों को अकेलापन, अवसाद और आक्रोश की ओर ले जा रहा है।

(iii) झूठे आरोपों का सामाजिक प्रभाव: जब किसी पुरुष पर झूठे आरोप लगते हैं तो न केवल वह व्यक्ति बल्कि उसका पूरा परिवार समाज में बदनाम हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप, लड़कों के मन में यह डर बैठ जाता है कि विवाह के बाद उन्हें इसी प्रकार की परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

(iv) महिलाओं की बढ़ती आर्थिक स्वतंत्रता: महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता ने समाज को प्रगतिशील बनाया है, लेकिन कई बार यह विवाह संबंधों में असंतुलन का कारण बनती है। लड़कों को यह डर रहता है कि पत्नी की आर्थिक स्वतंत्रता के कारण पारिवारिक जिम्मेदारियाँ और अधिकारों का संतुलन बिगड़ सकता है।

चाणक्य का उद्धरण: ''संतुलन और समझदारी ही परिवार को मजबूत बनाती है।''

(v) सोशल मीडिया और 'वोक कल्चर' का प्रभाव: सोशल मीडिया पर नारी सशक्तीकरण के नाम पर कई बार अतिवादी विचार सामने आते हैं। पुरुषों के खिलाफकोई भी विवाद बहुत जल्दी तूल पकड़ लेता है और बिना तथ्यों के, पुरुषों को दोषी ठहराया जाता है।

उदाहरण: 2023 में एक मामले में, सोशल मीडिया पर एक लड़की ने एक पुरुष पर सार्वजनिक स्थान पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया। बाद में यह पता चला कि यह घटना केवल गलतफहमी थी, लेकिन तब तक उस पुरुष की प्रतिष्ठा धूमिल हो चुकी थी।

3. अविवाहित लड़कों में भय के परिणाम:

(i) विवाह से दूरी:

- कई अविवाहित लड़के अब विवाह को टालने या इससे बचने की कोशिश करते हैं। वे अपनी स्वतंत्रता और करियर को प्राथमिकता देते हैं।
- झूठे आरोपों और सामाजिक जिम्मेदारियों से बचना चाहते हैं।

(ii) महिलाओं के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण: जो लड़के नारी सशक्तीकरण के दुरुपयोग का शिकार होते हैं, उनके मन में महिलाओं और विवाह के प्रति नकारात्मकता आ सकती है।

(iii) मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव: लगातार तनाव और भय के कारण लड़कों का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, जिससे वे समाज से दूर हो सकते हैं।

4. समाज में संतुलन और न्याय का महत्व: किसी भी समाज में समानता और सशक्तिकरण का अर्थ होता है - दोनों पक्षों के लिए न्याय और सम्मान।

- महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी है, लेकिन पुरुषों को अपराधी मानना या उन्हें शोषण का पात्र बना देना खतरनाक है।
- यदि हम महिला सशक्तिकरण के साथ पुरुष सुरक्षा और सम्मान को भी महत्व नहीं देंगे, तो समाज एक नई तरह की असमानता और असंतुलन की ओर बढ़ेगा।

5. इस समस्या का समाधान:

(iv) कानूनों का संतुलित कार्यान्वयन:

- झूठे आरोपों की पहचान के लिए सख्त प्रावधान।
- दोषियों को दंडित करने की प्रक्रिया को तेज करना।
- कानूनों का दुरुपयोग रोकने के लिए पुलिस और न्यायपालिका को प्रशिक्षित और संवेदनशील बनाया जाए।
- झूठे मामलों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित हो।

(v) समानता पर जोर: नारी सशक्तीकरण का अर्थ यह नहीं है कि पुरुषों को कमजोर किया जाए। समानता और सम्मान दोनों के लिए होना चाहिए।

स्वामी विवेकानंद का उद्धरण: ''सच्चा सशक्तीकरण वह है जो सभी को समान अवसर और सम्मान प्रदान करे।''

(पपप) शिक्षा और जागरूकता:

- लड़कों और लड़कियों दोनों को यह सिखाया जाना चाहिए कि विवाह और रिश्ते पारस्परिक समझ और सहयोग पर आधारित होते हैं।
- स्कूल, कॉलेज, सोशल मीडिया पर संवाद और जागरूकता अभियान चलाकर दोनों पक्षों को उनके अधिकार और जिम्मेदारियों का सही बोध कराया जाए।

(vi) पारिवारिक संवाद: परिवारों को लड़कों के मन में उत्पन्न भय को समझना चाहिए और विवाह के बारे में एक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करनी चाहिए।

(v) पुरुष हेल्पलाइन और मनोवैज्ञानिक सहायता केंद्र: पुरुषों के लिए भी सहायता केंद्र, काउंसलिंग और कानूनी परामर्श सेवाएं होनी चाहिए।

(vi) सोशल मीडिया नैतिकता और जिम्मेदारी: सोशल मीडिया ट्रायल की प्रवृत्ति पर रोक लगे और सही तथ्यों के साथ ही मामलों पर चर्चा हो।

(vii) सामाजिक संस्थाओं और बुद्धिजीवियों की भूमिका: सामाजिक संगठनों, धर्मगुरुओं, विचारकों को इस विषय पर संतुलित और तार्किक चर्चा बढ़ानी चाहिये।

निष्कर्ष: नारी सशक्तीकरण और समाज का भविष्य: नारी सशक्तिकरण एक सुंदर विचार है, इसे हथियार में बदलने की प्रवृत्ति समाज को तोड़ने का काम करेगी। समानता का अर्थ है। पुरुष और महिला दोनों के लिए सुरक्षित, गरिमामय और संतुलन को बनाए नहीं रख पाए, तो समाज में नई तरह की संघर्ष और दूरी पैदा होगी, जिससे सबसे ज्यादा नुकसान आने वाली पीढ़ियों को होगा। नारी सशक्तीकरण समाज के विकास के लिए आवश्यक है, लेकिन इसका उद्देश्य संतुलन और समानता सुनिश्चित करना होना चाहिए। जो भय आज अविवाहित लड़कों के मन में उत्पन्न हुआ है, वह समाज में बदलती संरचनाओं का संकेत है। इसे दूर करने के लिए, कानूनों का सटीक उपयोग, शिक्षा और समाज में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का उद्धरण: सशक्त समाज वही है जहाँ पुरुष और महिलाएँ साथ मिलकर समानता और सम्मान के साथ ''काम करें।''

समाज में हर वर्ग का सशक्तीकरण तभी सार्थक होगा, जब यह अन्य वर्गों के अधिकारों और भावनाओं का सम्मान करते हुए आगे बढ़े। नारी सशक्तीकरण और पुरुषों के अधिकारों के बीच संतुलन बनाकर ही हम एक समृद्ध और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण कर सकते हैं।

प्रेरक विचार: ''अत्यधिक अधिकार जब अन्याय में बदल जाता है, तब न्याय भी अन्याय बन जाता है।'' - अरस्तू ''सशक्तिकरण का अर्थ किसी का दमन नहीं, बल्कि सबका उत्थान है।'' - स्वामी विवेकानंद ''जहां स्त्री का सम्मान है, वहां पुरुष का भी सम्मान सुनिश्चित हो। दोनों के सम्मान में ही समाज का संतुलन छिपा है।'' - भारतीय दर्शन।

प्राचीन मूर्ति बरामद

यह प्रतिमा श्री 1008 नेमीनाथ भगवान् की भूगर्भ से ग्राम ''भासु'' पिन कोड-304505 केकड़ी रोड, जिला टोंक, राजस्थान में कुछ ही दिनों पहले निकली है यह मूर्ति बहुत पुरानी है इस मूर्ति में चार भगवान और हैं । ग्राम भासु में एक जैन, (सोनी) श्री महेन्द्रकुमारजी, राकेशजी, अशोकजी सोनी परिवार निवास कर रहा है इनके अथक प्रयासों से इस चमत्कारिक मूर्ति को अस्थाई चैत्यालय बनाकर गाँव में ही विराजमान किया गया है। टोडारायसिंह से करीबन 7 सात किलोमीटर पर यह भासु गाँव है। यह गाँव केकड़ी से टोडारायसिंह रास्ते में 7 सात किलोमीटर पहले मेन रोड पर स्थित है अभी यह अस्थाई चैत्यालय मेन रोड़ पर ही बनाया गया है। सभी जैन भाईयों से निवेदन है इस पाँच भगवान् की एक ही चमत्कारिक मूर्ति के दर्शन अवश्य करें एवं मंदिरजी निर्माण में

अपना अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करने की कृपा करें। सहयोग के लिए सम्पर्क करें - महेन्द्र कुमार जैन, सोनी मो. 9587117001 राकेश कुमार जैन, सोनी मो. 9829357153, 3 अशोक जैन, सोनी मो. 9982828896।

ब्र. राकेश जी मड़ावरा बने क्षुल्लक विप्रज्ञसागर महाराज

मुनि श्री सुप्रभसागर जी ने गुरु आज्ञा एवं निर्देशन में प्रथम क्षुल्लक दीक्षा प्रदान की

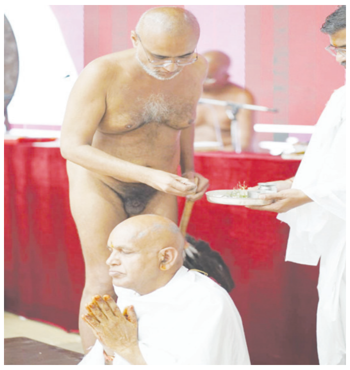

ललितपुर। मड़ावरा कस्बा निवासी ब्र. राकेश जैन चौधरी को भव्य क्षुल्लक दीक्षा पट्टाचार्य 108 विशुद्धसागर जी महाराज के निर्देशन में मुनि श्री सुप्रभसागर जी ने इंदौर में भव्य दीक्षा समारोह में प्रदान की। विशाल संघ के सान्निध्य में प्रथम बार श्रमणरत्न सुप्रभसागर जी महाराज ने इंदौर में भव्य दीक्षा दी। इस मौके पर अनेक आचार्य एवं विशाल संघ का सान्निध्य रहा। उत्कर्ष समूह भारत (मुनि श्री सुप्रभसागर जी की प्रेरणा से स्थापित) के निर्देशक डॉ. सुनील संचय ने बताया कि राकेश चाचा श्रमणाचार्य 108 विशुद्धसागर जी महाराज की आज्ञा एवं निर्देशन से 2019 से मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज संघ में साधनारत थे। अब उन्हीं के कर कमलों से दीक्षा सम्पन्न हुई है जिससे मड़ावरा जैन समाज में भारी हर्ष है, नगर से एक और गौरव जुड़ गया है।

"रंग पंजाब दे" नामक एक भव्य सांस्कृतिक संध्या का हुआ आयोजन संपन्न

पारस जैन 'पार्श्वमणि', संवाददाता

इंदौर (मध्य प्रदेश)। इंदौर देवी अहिल्या की धर्म प्राण नगरी इंदौर में दिनांक 17 मई को रवींद्र नाट्यगृह में "रंग पंजाब दे" नामक एक भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जो हमारे देश के वीरों को समर्पित थी। देश सुरक्षित रहेगा तो देश का हर नागरिक सुरक्षित रहेगा। इस कार्यक्रम का आयोजन पंजाबी साहित्य अकादमी एवं माँ अहिल्या सेवा संस्था, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में हर्षोल्लास के मंगल में वातावरण में किया गया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन "पार्श्वमणि" ने जानकारी देते हुये बताया कि सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों के बीच कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक चिंतन बकीवाला (CB Rockstar) ने अपनी सुरमयी प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस अवसर पर उन्हें उनकी संगीत सेवा हेतु भाव भीना सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में पंजाबी ट्रेड गीतों, लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को जीवंत कर दिया। "पार्श्वमणि" पत्रकार कोटा ने बताया कि अंत में आयोजकों द्वारा सभी दर्शकों एवं सहभागी कलाकारों का आभार व्यक्त किया गया।

आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने देखा मध्य भारत का पुरातत्व वैभव

जैन ओम पाटोदी

इंदौर। अभिनव पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज गत दिनों अपने उज्जैन प्रवास के दौरान ससंघ उज्जैन जयसिंहपुरा स्थित प्राचीन जिन मंदिर एवं जैन संग्रहालय पहुंचे वहां पर समाज जन ने संघ की भव्य आगवानी की। प्रवचन आहारचर्या के पश्चात गुरुदेव ने संघ सहित संग्रहालय का अवलोकन किया और अपराह्नकालीन वाचना भी की।

उक्त जानकारी देते हुए वर्धमानपुर शोध संस्थान के पवन पाटोदी एवं ललित गोधा ने बताया कि गुरदेव जहां विराजे थे उसके पार्श्व में ही बदनावर भूगर्भ से निकली तेरहवें तीर्थंकर भगवान श्री विमल नाथ स्वामी की प्रतिमा प्रदर्शित थी। संग्रहालय में बदनावर भूगर्भ से प्राप्त प्राचीन वर्धमानपुर की सौ से अधिक तीर्थंकर प्रतिमा, यक्ष यक्षी प्रतिमाएं, परिकर (वितान) एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थापत्य अवशेष प्रदर्शित हैं। यह संग्रहालय मालवा प्रांतीय सभा, बड़नगर के द्वारा संचालित है। यह संग्रहालय प्रदेश का अनुठा संग्रहालय है जो आधुनिक तरीके से बनाया गया है जिसमें स्व. श्री प्रदीप जैन कासलीवाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान में श्री अमित जी कासलीवाल के दिशा निर्देशन में यह संचालित है। श्री कासलीवाल ने गुरुदेव को संग्रहालय की जानकारी दी। पाटोदी ने बताया कि दो दिवस पूर्व ही वर्धमानपुर शोध संस्थान के सदस्य राजेश जैन फुलजी बा, ओम पाटोदी एवं स्वप्निल जैन गुरु जी के दर्शनार्थ उज्जैन पहुंचे थे एवं बदनावर नगर की प्राचीन विरासत के बारे में एवं नगर की ऐतिहासिकता के बारे में पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज को जानकारी देते हुए अवलोकन का आग्रह किया था। यह एक अभूतपूर्व अवसर था जब इतनी अधिक संख्या में दिगम्बर जैन संतों ने एक साथ मध्यभारत की सांस्कृतिक विरासत को निहारा और विरासत के मध्य बैठकर आत्म साधना भी की।

जबलपुर में आयोजित रेवा महोत्सव के अंतर्गत 10 वर्षीय सिया काला ने अखिल भारतीय राष्ट्रीय स्तर नृत्य प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

शिक्षण शिविर में पुरस्कार

जयपुर, 18 मई। शक्ति नगर में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर में बच्चों को पुरस्कृत किया गया। आज के पुरस्कार श्रीमान राहुल जी व नेहा पाटनी और श्रीमान दिनेश जी जैन पल्लीवाल जगतपुर की तरफसे दिए गये। आप सभी के पुण्य की बहुत बहुत अनुमोदना।

– शेखर चन्द पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर, फोन: 7976411191

E-mail : sdjascjaipur@gmail.com / Website : www.jainsanskritcollege.com

आवश्यकता

एसोसियट प्रोफेसर

वेतनमान: 35000-59000 (योग्यता एवं अनुभव के आधार पर वेतन में वृद्धि संभव)

योग्यता एवं अनुभव: UGC के नियमानुसार (अनुसंधान कार्य में रुचि रखने वाले अभ्यार्थियों को प्राथमिकता)

संस्कृत व्याकरण - एक पद

संस्कृत साहित्य - एक पद

जैनदर्शन - एक पद

अंग्रेजी - एक पद

असिस्टेन्ट प्रोफेसर

वेतनमान: 30000-51000 (योग्यता एवं अनुभव के आधार पर वेतन में वृद्धि संभव)

योग्यता एवं अनुभव: UGC के नियमानुसार।

निम्नांकित पदों हेतु C.S.U "संस्कृत संवर्धन योजना" के अन्तर्गत रु. 20,000/- का अनुदान समाहित है।

संस्कृत व्याकरण - एक पद

संस्कृत साहित्य - एक पद

स्कूल व्याख्याता

वेतनमान: 23000-39000, योग्यता: बी. एड. एवं सम्बन्धित विषय में 55% अंकों के साथ स्नातक

हिन्दी - एक पद / अंग्रेजी - एक पद

नोट: 1. सभी पदों पर अनुभवी एवं कम्प्यूटर ज्ञाता को प्राथमिकता

2. स्वयं द्वारा लिखित आवेदन पत्र, पासपोर्ट साईज फोटो तथा शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की हार्ड कॉपी के साथ दिनांक 05.06.2025 तक महाविद्यालय के पते पर आमंत्रित हैं।

◆ आवेदन पत्र महाविद्यालय की वेबसाईट पर भी उपलब्ध है ◆

महेश चन्द्र जैन चाँदवाड़, मानद मंत्री

ग्यारहवीं पुण्य तिथि

जन्म 7/अप्रैल/1932

जन्म 28/मई/2014

स्व. गुलाब देवी छाबड़ा

(धर्मपत्नी स्व. श्री भीखमचंद जी छाबड़ा)

हमारी प्रेरणास्रोत, मार्गदर्शी जिनका आदर्शमय, संयमित, सत्यनिष्ठ एवं देव-शास्त्र-गुरु के प्रति समर्पित जीवन सदैव एक दीप स्तम्भ की तरह हम सबका पथ आलोकित करता रहेगा

: नमनकर्ता :

एस एम परिवार

संतोष कुमार, अशोक कुमार, बाबूलाल, प्रमोद कुमार, मनोज कुमार, महेन्द्र कुमार, संजय कुमार, हेमन्त कुमार छाबड़ा (पुत्र)
आकाश कुमार, आलोक कुमार, अचिन कुमार, सचीन कुमार, पियुष कुमार, आयुष कुमार, साहिल, राहुल एवं अभि छाबड़ा (पौत्र)

फर्म: शेरमल मानमल

धर्मशाला रोड, इम्फाल- 795001 (मणिपुर)

शाखा: डीमापुर, गुवाहाटी, जयपुर, सूरत, लन्दन, किराड़ाबडा, राजस्थान निवासी

स्थापित श्री वीर निर्वाण सम्वत् 2421 सन् 1894 | Estd. 1895

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

(धर्म, तीर्थ, श्रुत, महिला, युवा)

Khandelwal Digamber Jain Mandir Complex, Raja Bazar, Connaught Circus New Delhi-110001,
Office: +91-11-2334 4668, 2334 4669
Email: digjainmahasabha@gmail.com, Website: www.digjainmahasabha.org

प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्यश्री शांति सागर जी महाराज

जैन पंचांग

जून 2025

दिनांक	चंद्र संचार	जाप	बैंक
1	सिंह 21/36		
2	सिंह		
3	सिंह		
4	कन्या 07/35		
5	कन्या		
6	तुला 20/06		
7	तुला		
8	तुला		
9	वृश्चिक 08/50		
10	वृश्चिक		
11	धनु 20/10		
12	धनु		
13	मकर 29/38		
14	मकर		
15	मकर		
16	कुंभ 13/10		
17	कुंभ		
18	मीन 18/35		
19	मीन		
20	मेष 21/45		
21	मेष		
22	वृष 23/03		
23	वृष		
24	मिथुन 23/45		
25	मिथुन		
26	कर्क 25/39		
27	कर्क		
28	कर्क		
29	सिंह 06/34		
30	सिंह		

सर्वार्थ सिद्धि योग

ता. 7–09/40 बजे से 29/41 बजे तक। ता. 9–15/31 बजे से 29/41 बजे तक। ता. 14–24/22 बजे से 29/42 बजे तक। ता. 19–23/17 बजे से 29/42 बजे तक। ता. 20–05/42 बजे से 29/43 बजे तक। ता. 23–15/16 बजे से 29/43 बजे तक। ता. 25–05/44 बजे से 10/40 बजे तक। ता. 26–08/46 बजे से 29/44 बजे तक। ता ता. 27–05/44 बजे से 07/22 बजे तक।

सूर्योदय सूर्यास्त

ता.	सूर्योदय	सूर्यास्त
5	05.41	19.09
10	05.41	19.11
15	05.42	19.13
20	05.42	19.14
25	05.44	19.15
30	05.45	19.16

1 जून सूर्योदय का लग्न चक्र

पंचक

ता. 16–13/10 बजे से ता. 20–21/45 बजे तक।

☽ सूर्योदय के समय बांया स्वर रहेगा।
☼ सूर्योदय के समय दांया स्वर रहेगा।

रवि	ज्येष्ठ शुक्ल 6 ☼ 19/59 **1** आश्लेषा 21/36	ज्येष्ठ शुक्ल 13 ☽ दिन–रात **8** स्वाती 12/42 सूर्य मृगशिरा में	आषाढ कृष्ण 4 ☽ 15/51 **15** श्रवण 25/00 सूर्य मिथुन में	आषाढ कृष्ण 12 ☽ 25/21 **22** भरणी 17/38 त्रिपुष्कर योग सूर्य आर्द्रा में	आषाढ शुक्ल 4 ☼ 09/14 **29** आश्लेषा 06/34
सोम	ज्येष्ठ शुक्ल 7 ☽ 20/34 **2** मघा 22/55	ज्येष्ठ शुक्ल 13 ☽ 09/35 **9** विशाखा 15/31	आषाढ कृष्ण 5 ☽ 15/31 **16** धनिष्ठा 25/13 पंचक	आषाढ कृष्ण 13 ☼ 22/09 **23** कृत्तिका 15/16	आषाढ शुक्ल 5 ☼ 09/23 **30** मघा 07/20 संत शिरोमणि दि.
मंगल	ज्येष्ठ शुक्ल 8 ☽ 21/56 **3** पू.फा. 24/58	ज्येष्ठ शुक्ल 14 ☽ 11/35 **10** अनुराधा 18/02	आषाढ कृष्ण 6 ☽ 14/46 **17** शतभिषा 25/01 पंचक त्रिपुष्कर योग	आषाढ कृष्ण 14 ☼ 18/59 **24** रोहिणी 12/54	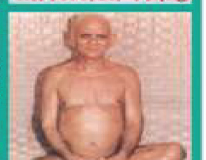 आ. अजितसागरजी
बुध	ज्येष्ठ शुक्ल 9 ☽ 23/54 **4** उ.फा. 27/35	ज्येष्ठ शुक्ल 15 ☽ 13/13 **11** ज्येष्ठा 20/10 पूर्णिमा	आषाढ कृष्ण 7 ☼ 13/34 **18** पू.भा. 24/23 पंचक	आषाढ कृष्ण 30 ☼ 16/00 **25** मृगशिरा 10/40 अमावस	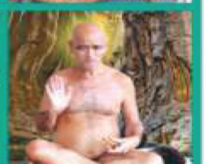 प.पू. आचार्यश्री विद्यासागरजी
गुरु	ज्येष्ठ शुक्ल 10 ☼ 26/15 **5** हस्त दिन–रात	आषाढ कृष्ण 1 ☼ 14/27 **12** मूल 21/57	आषाढ कृष्ण 8 ☼ 11/55 **19** उ.भा. 23/17 पंचक	आषाढ शुक्ल 1 ☽ 13/24 **26** आर्द्रा 08/46	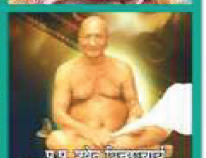 प.पू. श्वेत पिच्छाचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज
शुक्र	ज्येष्ठ शुक्ल 11 ☼ 28/47 **6** हस्त 06/34	आषाढ कृष्ण 2 ☼ 15/18 **13** पू.षा. 23/21 गुरु अस्त	आषाढ कृष्ण 9-10 ☼ 09/49-31/18 **20** रेवती 21/45 पंचक	आषाढ शुक्ल 2 ☽ 11/19 **27** पुनर्वसु 07/22 शासकीय अवकाश	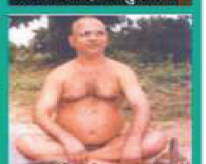 आ. श्री वर्धमानसागरजी
शनि	ज्येष्ठ शुक्ल 12 ☼ 31/17 **7** चित्रा 09/40 शासकीय अवकाश त्रिपुष्कर योग	आषाढ कृष्ण 3 ☼ 15/46 **14** उ.षा. 24/22	आषाढ कृष्ण 11 ☽ 28/27 **21** अश्विनी 19/50 साल का सबसे बड़ा दिन	आषाढ शुक्ल 3 ☽ 09/53 **28** पुष्य 06/35	

तीर्थंकर दर्पण

7 भ. सुपार्श्वनाथजी –जन्म–तप
13 भ. आदिनाथजी –गर्भ
17 भ. वासुपूज्यजी –गर्भ
19 भ. विमलनाथजी –मोक्ष
20 भ. नमिनाथजी –जन्म–तप

आचार्य दर्पण

5 आचार्यश्री अजितसागरजी –आचार्य पद
5 आर्यिकाश्री अनन्तमतिजी –समाधि
5 आर्यिकाश्री सुपार्श्वमतिजी –आर्यिका दीक्षा
6 आचार्यश्री सुबलसागरजी –मुनि दीक्षा
13 आचार्यश्री ज्ञानसागरजी –मुनि दीक्षा
13 आचार्यश्री श्रेयांससागरजी –आचार्य पद
24 आचार्यश्री विद्यानंदजी –आचार्य पद
27 आचार्यश्री वर्धमानसागरजी –आचार्य पद
28 आचार्यश्री कुन्थुसागरजी –मुनि दीक्षा
30 आचार्यश्री विद्यासागरजी –मुनि दीक्षा
30 आचार्यश्री निर्मलसागरजी –मुनि दीक्षा
30 आर्यिकाश्री आदर्शमतिजी –आर्यिका दीक्षा

माह के प्रमुख व्रत

11 सोलह दिवसीय शुक्ल पक्ष पूर्ण
11 संत शिरोमणि दिवस आचार्यश्री विद्यासागर
24 रोहिणी व्रत
30 ऋषि पंचमी

माह के शुभ मुहूर्त

नवीन गृह प्रवेश– 4,6,7,8
घर नवीनीकरण– 5,6,7,8,15,19,20,21,23,26,27
पुराने/किराये के घर में प्रवेश– 4,6,7
विवाह– 2,4,5,7,8,9
शिलान्यास– 5,6,8
वाहन खरीदी– 5,6,8,11,16,22,27
घर जमीन खरीदना– 1,2,8,9,12,13,18,20,26,28,29,30
मशीनरी प्रारंभ– 5,6,7,11,16,21,27,28
मुण्डन– 5,6,16,26,27
शिशु को प्रथम देवदर्शन– 5,6,8,9,15,16,20,23,26,27
दुकान या कार्यालय प्रारंभ– 5,6,7
नामकरण– 5,6,16,20,26,27
अक्षारंभ– 5,6,7,21,26,27
शैक्षणिक संस्था में प्रवेश– 1,5,6,8,12,13,15,18,20,26,27
ट्यूबवेल कूप खनन– 17
शल्य चिकित्सा– 6,8,9,21,23,27
नवीन वस्त्र भूषण– 5,6,19,27
औषधी सेवन– 5,6,8,11,12,15,16,20,21,26,27,28
वेदी प्रतिष्ठा मुहूर्त – 6 जून से 8 जून तक। 9 जून से 11 जून तक।
श्री पंचकल्याणक प्रतिष्ठा मुहूर्त– 2 जून से 7 जून तक।

दिन का चौघड़िया

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल

समाज की। समाज द्वारा। समाज के लिए

djainmahasabha | djainmahasabha | djainmahasabha | djainmahasabha | digjainmahasabha.org

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 1. मेरा बेटा नशा बहुत करता है, काफी प्रयास करने के बाद भी वह नशा करना नहीं छोड़ पा रहा है - हिमालय प्रसाद, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)

उत्तर - कुंडली में राहु की महादशा तथा शनि की अन्तर्दशा तथा कुंडली में शुक्र, मंगल की युति नशे का मुख्य कारण है। श्री भक्तामर जी का 41वां काव्य सुनाये तथा शनि का विधान किसी अच्छे विधानाचार्य से कराये।

प्रश्न 2. मेरी बेटी को पिछले 3 माह से बुखार आ रहा है। डाक्टर को कुछ समझ नहीं आ रहा है - सीमा, दिल्ली

उत्तर - सीमा जी, बेटी के कमरे में केसर पानी में घोलकर रखें तथा सुबह-शाम णमो सिद्धाणं पढ़ते हुये बेटी के सिर पर हाथ फेरे।

प्रश्न 3. व्यापार में लगातार पिछड़ता जा रहा हूँ। काफी प्रयास किया मगर कोई फायदा नहीं हो रहा है, क्या करूं? - निलेश गांधी, रायपुर (छत्तीसगढ़)

उत्तर - कुंडली में दशम भाव बहुत कमजोर है। सवा 6 रत्ती का पन्ना सीधे हाथ की सबसे छोटी अंगुली में बुधवार के दिन धारण करें, साथ ही श्री विमलनाथ चालीसा पढ़ें, नवग्रह यंत्र के सामने रोजाना।

प्रश्न 4. मेरे पिताजी को रात के समय बोलने की आदत पड़ गयी। उनकी उम्र 78 वर्ष है - सोनू, दिल्ली

उत्तर - अपने पिताजी के पास मोर पंख रखें तथा शाम के समय श्री पद्मप्रभु जी का चालीसा उन्हें हल्की आवाज में सुनायें।

गुरु जी से संपर्क सूत्र- 9990402062, 8826755078

ललितपुर जैन समाज ने गुणायतन प्रणेता मुनि प्रमाणसागर महाराज से किया निवेदन

ललितपुर। दिग्म्बर जैन पंचायत समिति ललितपुर ने संत शिरोमणि आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर महाराज के प्रभावक शिष्य गुणायतन प्रणेता मुनि प्रमाण सागर महाराज ससंघ को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल शहर के अवधपुरी कालोनी में पहुंचकर ललितपुर में चातुर्मास स्थापना हेतु श्रीफल भेंटकर निवेदन किया। जैन पंचायत अध्यक्ष डा. अक्षय टड़ैया ने मुनि श्री को 20 वर्ष पूर्व आपके सानिध्य में हुई ललितपुर नगर में अपूर्व धर्म प्रभावना का स्मरण कराते हुए कहा मुनि श्री आपके चातुर्मास के दौरान ललितपुर में सम्पूर्ण नगरवासी लाभान्वित होंगे। स्मरण रहे मुनि श्री की प्रेरणा और आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद से ही ललितपुर में दयोदय पशु संरक्षण केन्द्र गौशाला की स्थापना जैन समाज ने की जहां वर्तमान में गौशाला के साथ साथ संस्कारों की जननी प्रतिभास्थली एवं मुनिसुव्रतनाथ जिनालय स्थापित है। मुनि श्री ने ललितपुर वासियों को मंगलमयी आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर जैन पंचायत अध्यक्ष डा. अक्षय टड़ैया, महामंत्री आकाश जैन, कैप्टन राजकुमार जैन, सीए सौरभ जैन, सनत जैन खजुरिया, सतीश नजा, मोदी पंकज जैन, अशोक जैन दैलवारा, प्रतीक इमलिया, प्रफुल्ल जैन, धन्य कुमार जैन एड, पारस मनया, पवन जैन, अशोक जैन उमरिया, निर्मल जैन, शिक्षक पुष्पेन्द्र जैन, अमित जैन आदि मौजूद रहे।

जगद्ग्रुरु रामभद्राचार्य जी, गुलजार को मिला ज्ञानपीठ पुरस्कार

विज्ञान भवन में हुए समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया सम्मानित

नई दिल्ली। 58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार जगद्ग्रुरु रामभद्राचार्य और जाने-माने गीतकार गुलजार को दिया गया। गुलजार बीमार हैं, जिस कारण वे समारोह में शामिल नहीं हो सके। इस मौके की खासियत यह रही कि संस्कृत और उर्दू भाषा के दो शिखर पुरूष स्वतंत्र रूप से सम्मानित हुए।

विज्ञान भवन में आयोजित इस समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि ज्ञानपीठ से इस देश के ज्ञान और सृजन की मूलभूत एकता व्यक्त होती है। इस मंच से देश की अलग-अलग भाषाओं के उत्तम साहित्य को सम्मानित किया जाता है। साहित्य समाज को जोड़ता ही नहीं, जगाता भी है।

जगदुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि भारत की दो मूल प्रतिष्ठाएं हैं संस्कृत और संस्कृति। उन्होंने कहा कि मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, गुरूदेवो भव और अतिथि देवो भव की परंपरा में नई कड़ी के तौर पर जोड़ा जाना चाहिए राष्ट्र देवो भव। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर उन्होंने प्रसन्नता प्रकट की और कहा कि जब तक पीओके नहीं मिल जाता तब तक हमें चैन नहीं मिलेगा। उनका कहना था कि इस देश को आतंकवाद से मुक्ति पानी है तो राम सापेक्ष धर्म निरपेक्षता की राह अपनानी होगी। समारोह के शुरुआत में भारतीय ज्ञानपीठ के अध्यक्ष जस्टिस विजेंद्र जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रवर परिषद की अध्यक्ष प्रतिभा राय ने दोनों पुरस्कृत विभूतियों के अहम योगदान के बारे में जानकारी दी।

DOLPHIN WATERPROOFING

आधुनिक टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ, हीटप्रूफ, वेदर प्रूफ पायें सीलन, लीकेज एवं गर्मी से राहत व बिजली के बिल में भारी बचत करें।

छत व दीवारों का बिना तोड़फोड़ के सीलन का निवारण

For Your New & Old Construction

RAJENDRA JAIN

DR. FIXIT WATERPROOFING EXPERT

Dr. Fixit Authorised Project Applicator

Mo. 80036-14691

116/194, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

स्वत्वाधिकारी 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक सुभाषचन्द्र गुप्ता द्वारा द इण्डियन एक्सप्रेस प्रा. लि. सी 26, अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया लखनऊ उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं श्री नंदीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग लखनऊ-226004 उ. प्र. से प्रकाशित, सम्पादक -सुधेश कुमार जैन

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132

कोषाध्यक्ष
पवन गोधा
मो. 9311198985

प्रधान सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक प्रकाशक एवं मुद्रक
सुभाषचन्द्र गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, 5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता
वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से
कोरियर से मंगाने पर
अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र.
रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन
देने हेतु सम्पर्क-
7607921391,
9415008344,7505102419
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप ईमेल
jaingazette2@gmail.com
पर भेजें

श्री प्रकाश जी पाटनी के 73 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर सम्मान व शुभकामनायें

ज्ञात रहे कि श्री प्रकाश जी पाटनी जब 33 वर्ष के थे तब से मैं उनको जानता हूँ। मेरी शादी को भी 40 साल हो गये। प्रकाश जी का नाम पूरे भारत में जिस प्रतिष्ठा के साथ लिया जाता है वह निम्न पंक्तियों से चारितार्थ होता है-

सुनकर कोई अनसुना कर दे,
ऐसी इनकी आवाज नहीं।
किसी महफिल में छिप जायें,
ऐसे उनके अन्दाज नहीं।
मिलकर कोई भूल जाये इनको,
ऐसे इनके अल्फाज नहीं।
सूरज से चमकते हैं ये,
किसी परिचय के मोहताज नहीं।

प्रकाश जी पाटनी एक अच्छे पुत्र, अच्छे भाई, अच्छे पति व अच्छे पिता के रूप में तो अपनी जिम्मेदारी बेखूबी से निभाई, साथ समाज व धर्म के लिए इस तरह पूर्ण समर्पित रहें। पूरे भारत में जहां भी उनका पदार्पण हुआ अपनी चंचला लक्ष्मी का जो उपयोग उन्होंने धार्मिक व समाजिक कार्य में किया वह एक अनुकरणीय है। उनके निम्न भावना व्यक्त की जाती है-

पूरी धरा साथ दे,
तो कुछ ओर बात है वह
तू जरा साथ दे,
तो कुछ और बात हैं
चलने को तो एक पाव से भी
चलते है लोग
दूसरा भी साथ दे तो
कुछ और बात है।

प्रत्येक धार्मिक व समाजिक कार्य प्रकाशचंद पाटनी, दूसरे पाव के रूप में तैयार मिलते हैं। मुनिराजों के प्रति प्रकाशचंद पाटनी के प्रति भक्ति निम्न पंक्तियों से जान पड़ती है।

हे गुरूवर!
तन समर्पित,
मन समर्पित,
जो मिला व धन समर्पित
श्वास के भण्डार में से
आखिरी श्वांस समर्पित

हे गुरूवर, तन समर्पित, मन समर्पित है जो धन है वह समर्पित है इतना ही नही मेरे शरीर मे जो श्वास है वह आखिरी श्वांस भी आपके चरणों में समर्पित है। उनके व्यक्तित्व से मिलकर कोई भी व्यक्ति उनसे प्रभावित हुए बगैर नहीं रह सकता। श्री प्रकाशचन्द्र जी पाटनी का जन्म 3 अप्रैल, 1952 को राजस्थान के सुजानगढ़ में हुआ। आपके पिताश्री स्व. श्री लालचन्द जी पाटनी व माताश्री श्रीमती टमकूदेवी पाटनी हैं। आपने राजस्थान के डिडवाना के बांगड कॉलेज से बी. कॉम की शिक्षा ग्रहण की। 21 मई, 1972 को श्री मदनलाल जी पांड्या की सुपुत्री सरला जी से आपका विवाह संपन्न हुआ। आपकी सुपुत्री नीलिमा का विवाह चेन्नई निवासी श्री नवीन जी बाकलीवाल से सम्पन्न हुआ। आपको मनोज व नवीन के रूप में दो पुत्र रत्न भी प्राप्त हुए हैं। मनोज ने बंगलौर से एम. बी. ए. किया तथा जयपुर की पायल जैन बी. काम. से विवाह बंधन में बंध गये। नवीन ने भी बंगौलर से ही सूचना विज्ञान में बी. इंजी. की डिग्री हासिल की है तथा जालंधर की डिम्पल जैन एम.कॉम से वैवाहिक बंधन में बंध गये।

श्री प्रकाश जी पाटनी मृदु व स्वल्पभाषी, व्यवहारकुशल, अतिथि परायण, धर्मपरायण व समाज हितैषी व्यक्ति हैं। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती सरलादेवी में भी यही गुण कूट-कूट कर भरे हैं। श्री प्रकाश जी पाटनी ने अपनी लगन, कठोर मेहनत, दूरदर्शिता व व्यवहारकुशलता से जहां करोबार में दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति की है वहीं अपने पैसों का समाज हित के कार्यो में सदुपयोग करने में भी वे हमेशा अग्रणी रहे हैं। आज प्रचार का युग है। लोग दो रूपये का दान करते हैं तो चार रूपये का प्रचार करते हैं लेकिन श्री पाटनी दान-धर्म दिल खोल कर करते हैं मगर प्रचार से कोसों दूर रहते हैं। हमारे शास्त्रों में लिखा है कि नेकी कर कुंए में डाल। अर्थात् किसी पर उपकार किया तो उसका बखान मत कर। श्री पाटनी जी भी इसी धर्मवाणी का अक्षरशः पालन करते हैं। मैंने जब उनसे पूछा कि आपने कौन-कौन सा समाजसेवा का कार्य किया है तो वे बोले कि हम तो दान-धर्म करने में ही रूचि रखते हैं, उसका हिसाब किताब रखने में नहीं। काफी कुरेदने पर उन्होंने बतया कि श्री महावीर जी, सुजानगढ़ आदि कई स्थानों पर पंचकल्याणकों के आयोजन के वक्त वहां भोजन की व्यवस्था उनकी ओर से कराई गई थी। खारूपेटिया, डिब्रूगढ़, जोरहाट, बंगाईगांव आदि कई स्थानों पर धर्मशालाओं में उन्होंने कमरे बनवाये हैं। श्रवणबेलगोला में आयोजित महामस्तकाभिषेक के पंचकल्याणक में दीप प्रज्वलन का भी उन्हें सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर कबूतरखाने, कुएं आदि भी बनवाएं हैं। वे 3 बार निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों का आयोजन करवा चुके हैं। कई बार निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविरों का भी आयोजन करवा चुके हैं। नागौर में सेवा संघ के होम्योपैथी चिकित्सालय का संचालन भी इनके द्वारा प्रदत्त राशि से ही किया जा रहा है। ठल्डा मंदिर व समूचे गांव में पीने के स्वच्छ पानी की व्यवस्था भी इनके द्वारा करवाई गयी है। खंडगिरि तीर्थस्थल पर सार्वजनिक रसोईघर का भी आपके द्वारा ही निर्माण करवाया गया। आपने पूज्य 105 कैलाशमती माताजी ससंघ का चातुर्मास भी करवाया है। आप 3 बार दशलक्षण व्रत कर चुके हैं। आपकी धर्मपत्नी भी धर्म के मामले में आपका बराबर साथ देती हैं तथा 2 बार दशलक्षण व्रत में आपका साथ दे चुकी हैं। आप लॉयंस क्लब, शिलांग क्लब आदि संस्थाओं के अलावा महासभा से भी जुड़े हैं। मेघालय महासभा की तीर्थ संरक्षिणी कमेटी के सचिव भी आप मनोनित किये गये हैं।

बारिश को तरसते राजस्थान की मरूभूमि के मेघों से मेहरबान मेघालय की वादियों में आकर कठोर मेहनत जीवट लगन व्यावसायिक कौशल व दूरदर्शिता से व्यवसायिक सफलता के मामले में बुलंदियों को छूने वाले श्री पाटनी ने दान-धर्म करने में भी कंजूसी नहीं बरती है। उन्होंने जिस तरह दोनों हाथों से दान किया है वैसे ही परमपिता परमेश्वर ने उन्हें सुख, शांति, समृद्धि की सौगात दी है। प्रकाश चंद जी पाटनी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह व इन्द्र कुमार गुजराल की तरह अत्यंत मितभाषी है। पूरे भारत में 1800 पिच्छीकायें से जिनधर्म जिनशासन की प्रभावना हो रही है। प्रकाश जी पाटनी को सभी पिच्छिकाओं का प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से आत्मीय आशीर्वाद प्राप्त है। यह उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। सुजानगढ़ में एक आयुर्वेदिक औषधालय है उस औषधालय में पूरे भारत में संतों के लिये औषधियां प्रदान की जाती हैं। उस औषधालय में प्रकाश जी पाटनी की भी महत्वपूर्ण भुमिका है। **- शेखर चन्द पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता**

पट्टाचार्य महोत्सव में जैन गजट विशेषांक का हुआ विमोचन

इंदौर। चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज पट्टाचार्य महोत्सव, सुमतिधाम, इंदौर में विशुद्धरत्न मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज की प्रेरणा, विशुद्धरत्न मुनि श्री सुव्रतसागरजी महाराज, मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज के मार्गदर्शन व डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर के संयोजन में अनेक पत्र-पत्रिकाओं के पट्टाचार्य महोत्सव विशेषांक प्रकाशित किए गए। सुमतिधाम, इंदौर में 2 मई 2025 को दोपहर के सत्र में विशेषांकों का विमोचन समारोह आचार्य श्री विशुद्धसागर जी सहित 12 आचार्यों, 400 से अधिक साधुओं के सान्निध्य में उत्साह पूर्वक किया गया। इस मौके पर महासभा द्वारा प्रकाशित शताधिक वर्ष प्राचीन 'जैन गजट' साप्ताहिक लखनऊ के आचार्य श्री विशुद्धसागर विशेषांक का विमोचन किया गया। संचालन मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज ने किया। विशेषांकों का विमोचन सुमतिधाम इंदौर के मुखिया श्रेष्ठि मनीष जी गोधा, सपना जी गोधा, जैन गजट के सह संपादक डॉ. सुनील जैन संचय, राजेन्द्र जैन महावीर व विद्वानों एवं पुण्यार्जक परिवारों ने किया। विमोचन के बाद एक-एक प्रति मंचस्थ सभी आचार्यों और साधुगणों को भेंट की गई। आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ने अपना मंगल आशीर्वाद जैन गजट को प्रदान किया।

तिरंगा रैली के साथ हुआ उदयपुर में आचार्य सुनील सागर जी का भव्य मंगल प्रवेश

आचार्य श्री सुनीलसागर जी गुरुदेव ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश उदयपुर श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर-11 में हुआ। विशेष आकर्षण - 12 किलोमीटर से अधिक लंबी भव्य तिरंगा रैली जिसका शुभारंभ पंजाब के महामहिम राजपाल एवं चण्डीगढ़ के प्रशासक उदयपुर के लोकप्रिय श्री गुलाब चंद की कटारिया जी ने किया तिरंगा रैली ऑपरेशन सिंदूर की सफलता व भारत विजय की याद में निकाली गयी।

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on
Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2024-2026

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh, Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 9415108233, 7505102419, 7607921391 Web site- jaingaztte.com
email- jaingazette2@gmail.com whatsapp 7607921391

To,
....
....
....

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-,
दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।